मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 117
शनिवार, 08 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

कर्मभूमि ने किया अपने कर्मयोगी पीएम मोदी का भव्य एवं दिव्य स्वागत

- गंगा-घाटों की नगरी में गूंजा, हर-हर मोदी, हर हर महादेव
- पूरे रास्तेभर में जनसैलाब उमड़ा, गुलाब वर्षा और ढोल-नगाड़ों के बीच बरसाएं गए फूल

सुरेश गांधी

वाराणसी। गंगा-घाटों की नगरी काशी ने शुक्रवार को एक बार फिर अपने जन-नायक का असाधारण स्वागत देखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब अपने दो दिवसीय प्रवास पर बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, तो उनके स्वागत में उत्साह और आत्मीयता की ऐसी लहर दौड़ी, जो अद्भुत और अविस्मरणीय थी। मानो पूरा शहर अपने जन-नायक के स्वागत के लिए सांस रोके प्रतीक्षा कर रहा था। बाबतपुर के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लेकर बीएलडब्ल्यू तक का मार्ग उत्सव-भाव में डूबा दिखा। हर ओर हर-हर महादेव और मोदी-मोदी के स्वर गूंज रहे थे, ढोल-नगाड़ों की ताल वातावरण को जीवंत कर रही थी और गुलाब की वर्षा जन-भावनाओं की सुगंध की तरह हवा में तैर रही थी।

प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, विधायक सुनील पटेल, विधायक टी. राम, मंडलायुक्त एस. राजलिंगम, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार सहित अनेक गणमान्य जनों ने प्रधानमंत्री का हार्दिक अभिनंदन किया। खास यह है कि हवाई अड्डे से बीएलडब्ल्यू तक का मार्ग मानो उत्सवधर्मिता में डूबा हुआ नजर आया। हरहुआ, गिलट बाजार, जेपी मेहता, फुलवरिया फ्लाईओवर से लेकर बरेका मार्ग तक सड़कों के दोनों ओर नागरिक, महिलाएं, युवा,

बच्चे, वृद्ध, सभी हाथों में तिरंगा लिये, जय-जयकार करते और मोदी-मोदी के नारों से वातावरण को प्रफुल्लित करते दिखे। जनता के इस प्रेम से अभिभूत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार वाहन से हाथ हिलाते हुए लोगों का अभिवादन करते रहे।

कई स्थानों पर महिलाओं ने मंगल-कलश और पुष्पवर्षा से स्वागत किया, तो युवा कार्यकर्ताओं ने शंखनाद, ढोल-नगाड़ों और नृत्य के साथ सांस्कृतिक उल्लास का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया। इस आत्मीय स्वागत से अभिभूत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बार-बार वाहन की खिड़की से हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन करते रहे। यह क्षण केवल औपचारिकता नहीं था, यह काशी की जनता और उसके प्रतिनिधि के बीच उस विश्वास, प्रेम और गौरव का दृश्य था जो वर्षों में गढ़ा गया है। संत अतुलानंद बाईपास, जेपी मेहता मोड़, बरेका एफसीआई गोदाम और बरेका मुख्य द्वार सहित अनेक बिंदुओं पर पार्टी कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने अभूतपूर्व स्वागत किया।

बरेका में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया स्वागत

प्रधानमंत्री का काफिला जब बरेका परिसर में पहुंचा, तब प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं गेट पर उपस्थित होकर अपने नेता का पूर्ण सम्मान और आत्मीय प्रशंसाभाव से स्वागत किया।

यह केवल राजनीतिक स्वागत न था, यह था काशी की आत्मा का अपने सारथी के प्रति स्नेह, यह था जनता और नेतृत्व के बीच विश्वास नामक उस अदृश्य किंतु दृढ़ सेतु का पुनर्पुष्टि-क्षण, जिसने वाराणसी को विकास, संस्कृति और आत्मगौरव की नई पहचान दी है।

मतलब साफ है काशी ने आज फिर सिद्ध किया, यह केवल स्वागत न था, यह अपनत्व का उत्सव था। यह स्वागत केवल यात्रा का आरंभ नहीं, यह काशी और उसके कर्मयोगी के बीच अटूट विश्वास का उत्सव था।

चितौड़गढ़ में करोड़ों रुपये का मादक पदार्थ बरामद, एक व्यक्ति गिरफ्तार

चितौड़गढ़, 07 नवम्बर। राजस्थान पुलिस ने चित्तौड़गढ़ जिले में करोड़ों रुपये का मादक पदार्थ बरामद कर इस सिलसिले में एक आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

चित्तौड़गढ़ के पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से चार किलोग्राम 635 ग्राम मादक पदार्थ (एमडीएमए पाउडर) जब्त किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस मादक पदार्थ की कीमत करोड़ों रुपये बताई गई है।

पुलिस टीम ने जलिया चेकपोस्ट पर नीमच की तरफ से आ रही एक कार को रोका। कार की तलाशी लेने पर डिग्गी में एक थैले में प्लास्टिक की चार थैलियों में से मादक पदार्थ बरामद हुआ।

पुलिस के अनुसार यह मादक पदार्थ युवाओं के बीचकाफी लोकप्रिय है और इसकी एक ग्राम की कीमत भी हजारों रुपये में होती है। कार चालक अंकित सिंह सिसोदिया मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले का रहने वाला है। उसे गिरफ्तार कर कार को भी जब्त कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

वंदे मातरम भारत की धड़कन है, यह धर्मनिरपेक्षता का संदेश देता है : मुख्यमंत्री सावंत

गोवा, 07 नवम्बर। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शुक्रवार को कहा कि वंदे मातरम् भारत की धड़कन है और यह देश की आजादी के लिए प्रेरणा स्रोत रहा है तथा आज भी प्रासंगिक है। सावंत ने कहा कि 150 वर्ष पुराने इस गीत में धर्मनिरपेक्षता का संदेश निहित है। मुख्यमंत्री सावंत ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में कहा, वंदे मातरम भारत की धड़कन था जिसने देश की आजादी के लिए अनेक लोगों को अपने प्राण न्योछावर करने की प्रेरणा दी।

यह ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एक गीत था और इसकी हर पंक्ति प्रेरणादायक है। आज भी जब हम इसे सुनते हैं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गीत

आज भी उतना ही प्रासंगिक है और इसमें धर्मनिरपेक्षता का संदेश समाहित है। उन्होंने कहा, सभी धर्मों के लोग इस गीत को गाते हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे इस गीत से प्रेरणा लेकर देश के विकास में योगदान दें। सावंत ने सरकारी अधिकारियों के साथ पणजी स्थित कला अकादमी के सभागार में आयोजित समारोह में वंदे मातरम का सामूहिक गान किया। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे मातरम के वर्षभर चलने वाले समारोह का उद्घाटन किया और इस अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया। वंदे मातरम की रचना बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने वर्ष 1875 में की थी और इसे 1882 में उनके उपन्यास आनंदमठ के हिस्से के रूप में साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में पहली बार प्रकाशित किया गया था।

राहुल गांधी मानसिक रूप से दिवालिया, उनका हाइड्रोजन बम हो गया निष्क्रियः धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 07 नवम्बर। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों को 'मानसिक रूप से दिवालिया' व्यक्ति का झूठ बताकर खारिज कर दिया, साथ ही कहा कि उनका 'हाइड्रोजन बम' निष्क्रिय हो गया है। प्रधान ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी 'झूठ फैलाने' का नया स्टार्टअप चला रहे हैं और हरियाणा विधानसभा चुनावों में 25 लाख फर्जी वोटों के उनके दावे निराधार हैं क्योंकि वे चुनाव आयोग को कोई तथ्य नहीं दे पाए। यह तीव्र राजनीतिक बयानबाजी हरियाणा में कथित मतदाता धोखाधड़ी को लेकर सामने आई है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनावों में वोट धोखाधड़ी के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने उनके आरोपों को झूठा बताया और दावा किया कि राहुल गांधी मानसिक रूप से दिवालिया हैं। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी, जिन्हें उन्होंने झूठा बताया, एक नया स्टार्टअप चला रहे हैं जो झूठ फैलाने और झूठे आख्यान गढ़ने पर केंद्रित है।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उन्होंने तीन दिन पहले एक 'हाइड्रोजन बम' गिराने का दावा किया था। वह बम धराशायी हो गया... जो व्यक्ति खुद झूठा है और झूठे तथ्य प्रस्तुत करता है, वह एक नया स्टार्टअप चला रहा है और उसका मुख्य काम झूठी कहानी गढ़ना और झूठ फैलाना है। कांग्रेस नेता पर निजी हमला करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, ‘वह सोने का चम्मच लेकर पैदा हुए हैं और

दिवालियापन की ओर बढ़ रहे हैं... राहुल गांधी मानसिक रूप से दिवालिया हो चुके हैं। ऐसे व्यक्ति को यह एहसास ही नहीं होता कि वह क्या कह रहे हैं। वह चुनाव आयोग से समय लेते हैं, लेकिन न तो आते हैं और न ही कोई तथ्य पेश करते हैं। वह केवल नाटक करते हैं। आरोप लगाते हैं और भाग जाते हैं। यह उनका राजनीतिक चरित्र बन गया है। एक विपक्ष के नेता को यह शोभा नहीं देता। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, राहुल गांधी ने 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर मतदाता धोखाधड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग द्वारा जारी की गई मतदाताओं की सूची का हवाला दिया और आरोप लगाया कि राज्य में लगभग 25 लाख फर्जी वोट हैं। उन्होंने कहा कि एक भ्रष्ट मतदाता सूची लोकतंत्र को कमजोर करती है। अब, हमारे पास सबूत है कि भारत में मतदाता सूची झूठ है। गांधी ने अपनी 'एच फाइल्स' प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, अगर मतदाता सूची झूठ है, तो लोकतंत्र नहीं है। हरियाणा में बड़े पैमाने पर मतदाता धोखाधड़ी के आरोपों पर बात करते हुए उन्होंने भारत की जनरेशन जेड और युवाओं से देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रक्षा करने का आग्रह किया। गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि युवाओं में सत्य और अहिंसा के जरिए लोकतंत्र बहाल करने की शक्ति है। उन्होंने यह भी दावा किया कि हरियाणा चुनावों में कांग्रेस की अनुमानित जीत को हार में बदलने की योजना बनाई गई थी।

उच्चतम न्यायालय ने उज्जैन में मस्जिद गिराए जाने के खिलाफ याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 07 नवम्बर। उच्चतम न्यायालय ने मध्यप्रदेश के उज्जैन में एक मस्जिद के गिराए जाने के खिलाफ दायर याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। मस्जिद को भूमि अधिग्रहण के बाद ध्वस्त कर दिया गया था। तकिया मस्जिद जनवरी में उस जमीन के अधिग्रहण के बाद ध्वस्त कर दी गई थी जिस पर यह बनी थी। कहा जाता है कि मस्जिद लगभग 200 साल पहले बनी थी।

अधिकारियों ने उज्जैन में महाकाल लोक परिसर के पार्किंग स्थल का विस्तार करने के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही शुरू की थी। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान, 13 याचिकाकताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि 200 साल पुरानी मस्जिद को इसलिए गिराया गया क्योंकि पार्किंग स्थल की आवश्यकता थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस याचिका की सुनवाई की।

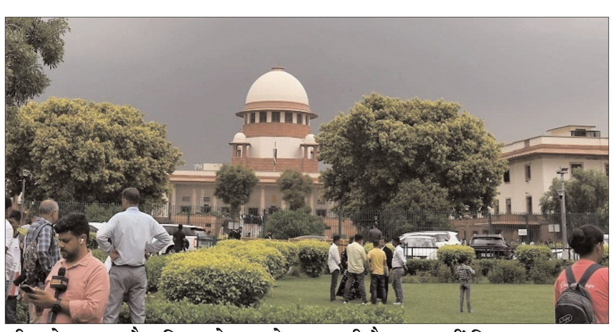

पीठ ने कहा, वैधानिक योजना के तहत मुआवजा देना जरूरी था। आपने उसी अधिग्रहण को चुनौती देते हुए एक रिट याचिका दायर की थी, जिसे वापस लिया गया मान कर खारिज कर दिया गया था।

वकील ने कहा कि मस्जिद को 1985 में वक्फ संपत्ति घोषित किया गया था। वकील ने तर्क दिया, आपको किसी अन्य धार्मिक स्थल के लिए पार्किंग की जरूरत है और आप मस्जिद गिरा देते हैं और कहते हैं कि आपको इसका अधिकार नहीं है। पीठ ने कहा, अब बहुत देर हो चुकी है, कुछ नहीं किया जा सकता। याचिका को खारिज किया जाता है।

पीठ ने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में इस संबंध में तर्क दिया है। याचिकाकताओं ने उच्च न्यायालय के समक्ष कहा था कि वे उज्जैन के निवासी हैं और मस्जिद में नमाज अदा करते थे। प्राधिकारियों ने अदालत से कहा था कि जमीन का अधिग्रहण कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए किया गया था, मुआवजा दिया गया था और अब सभी संपत्तियां राज्य सरकार के पास हैं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

झारखंड के दुमका में 17 साल की लड़की का सिर कटा शव मिला

दुमका। झारखंड के दुमका जिले में 17 साल की लड़की का सिर कटा शव मिला। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृत लड़की सरियाहाट थाना क्षेत्र के दिघी गांव की रहने वाली थी।

पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार को लड़की का सिर धड़ से थोड़ी दूरी पर पाया गया। सरियाहाट पुलिस थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार ने कहा, हमारी प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह एक सुनियोजित हत्या प्रतीत होती है। हो सकता है कि इस वारदात को उन लोगों द्वारा अंजाम दिया गया हो जो पीड़िता के बहुत करीबी थे। पोस्टमार्टम कराया गया है।

आत्मघाती होती शिक्षा प्रणाली: मौतों का भयावह यथार्थ

-ललित गर्ग

भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियों एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृदय विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष देश में लगभग 14,000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिश्योक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएं, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन

सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा?

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ ह्लसफलताह्व का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को ह्लप्रदर्शन की प्रतियोगिताह्व बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय?- ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है।

एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं-परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था-ह्लपढ़ि-पढ़ि पंडित भया, पर भीतर का मन ना गया।ह्व आज की शिक्षा बच्चों को केवल ह्लजानकारह्व बना रही है, ह्लज्ञानीह्व नहीं। विद्यालयों में रट्टामार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा ह्लप्रतियोगिता का उद्योगह्व पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः जीवन से हार जाते हैं।

साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर बहुत उम्मीदें थीं कि शायद यह शिक्षा को बच्चों के बोझ से मुक्ति देगी, उसे रचनात्मकता और नैतिकता से जोड़ेगी। नीति में ह्लहोलिस्टिक लर्निंगह्व, ह्लजॉयफुल एजुकेशनह्व, ह्लरिड्यूस्ड बोर्ड प्रेशरह्व जैसे शब्द तो हैं, पर व्यवहारिक स्तर पर हालात में कोई ठोस परिवर्तन नहीं आया। स्कूलों में परीक्षा का दबाव जस का तस है, कॉलेजों में बेरोजगारी का डर और कोचिंग की होड़ बढ़ी है। शिक्षा नीति के भीतर आत्महत्या जैसे मानसिक स्वास्थ्य संकट पर कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। जब तक शिक्षा नीति का केंद्र मानव-निर्माण नहीं होगा, तब तक यह प्रणाली केवल आंकड़े बढ़ाएगी-आत्महत्याओं के भी और बेरोजगारों के भी। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे।

शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है? महात्मा गांधी ने कहा था-ह्लशिक्षा का अर्थ है शरीर, मन और आत्मा का सम्यक विकास।ह्व स्वामी विवेकानंद ने भी कहा ह्लशिक्षा वह है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबल भर दे।ह्व परंतु आज की शिक्षा न शरीर को स्वस्थ रख पा रही है, न मन को शांत, न आत्मा को ऊँचा। बच्चों को किताबों के बोझ तले दबा दिया गया है, पर जीवन की समझ नहीं दी गई। उन्हें बताया गया कि असफलता अपराध है, जबकि जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक तो असफलता ही होती है। माता-पिता और शिक्षक दोनों को यह समझना होगा कि बच्चा कोई प्रोजेक्ट नहीं, एक जीवित आत्मा है। उसे सफलता के साँचे में ढालने से पहले उसे अपने ढंग से खिलने का अवसर देना जरूरी है। शिक्षक यदि केवल अंक देने वाले बन जाएँ और अभिभावक केवल रिपोर्ट कार्ड से बच्चे की योग्यता मापें, तो बच्चे का आत्मसम्मान कुचलना निश्चित है। जरूरी है कि घर और स्कूल दोनों जगह एक भावनात्मक संवाद स्थापित हो-जहाँ बच्चा अपनी असफलता, डर और उलझन को बिना भय के साझा कर सके। भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। अधिकांश स्कूलों में काउंसलिंग सिस्टम या तो है ही नहीं या नाममात्र का है। बच्चों को यह सिखाया ही नहीं जाता कि ह्लतनाव से कैसे निपटेंह्व, ह्लअसफलता को कैसे स्वीकारेंह्व या ह्लभावनाओं को कैसे व्यक्त करें।ह्व जिन्हें हम ह्लटॉपरह्व कहते हैं, वे अक्सर भीतर से टूटे हुए होते हैं। आत्महत्या करने वाले बच्चों के पीछे अक्सर यह मनोवैज्ञानिक सत्य होता है कि उन्होंने कभी किसी से अपनी व्यथा कही ही नहीं। शिक्षा को केवल सूचना-प्राप्ति का माध्यम नहीं, जीवन-समझ का साधन बनाना होगा। जब तक बच्चों को यह नहीं सिखाया जाएगा कि जीवन अंक-पत्र से बड़ा है, तब तक यह संकट बना रहेगा। विद्यालयों में ध्यान, योग, संवाद, कला, संगीत और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं, संवेदना-केंद्रित संस्कृति गढ़नी होगी। देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता।यह प्रश्न अब टालने योग्य नहीं रहा कि क्या हम बच्चों को पढ़ा रहे हैं या उन्हें धीरे-धीरे तोड़ रहे हैं? शिक्षा यदि आत्महत्या का कारण बन जाए, तो उससे बड़ा विडंबनापूर्ण पराजय कोई नहीं। जरूरत है ऐसी शिक्षा की जो बच्चों को जीवन से प्रेम करना सिखाए, न कि जीवन से भागना। महर्षि अरविंद ने कहा था-ह्लसच्ची शिक्षा वह है जो भीतर की दिव्यता को प्रकट करे।ह्व समय आ गया है कि हम शिक्षा की दिशा को पुनर्परिभाषित करें, जहाँ परीक्षा नहीं, व्यक्तित्व महत्वपूर्ण हो; रैंक नहीं, रचनात्मकता का मूल्य हो; और सफलता नहीं, संतुलन एवं सुख शिक्षा का लक्ष्य बने। यदि हम यह नहीं कर पाए, तो आने वाले वर्षों में यह आंकड़ा-14,000 से बढ़कर, हमारी सामूहिक संवेदनहीनता की जीवित कब्र बन जाएगा। निस्संदेह, देश के स्कूली छात्रों में आत्मघात की प्रवृत्ति राष्ट्र की गंभीर क्षति है, जिसे संवेदनशील ढंग से दूर करने की तत्काल जरूरत है।

खेत से नीति तकः योगी सरकार की किसान क्रांति, आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में यूपी

-सुरेश गांधी

यूपी की ग्रामीण अर्थव्यवस्था आज एक मोड़ पर खड़ी है जहां किसान केवल उत्पादक नहीं, उद्यमी बन रहा है। योगी सरकार की नीतियां व गन्ना किसानों के हित में गन्ना समर्थन मूल्य में ऐतिहासिक वृद्धि, मिलों की पुनरावृत्ति, क्रेडिट-सुविधाओं का विस्तार, दुर्घटना कल्याण और योजनाओं का डिजिटलीकरण, प्राकृतिक खेती सिर्फ योजनाएं नहीं, बल्कि गांव की दिशा बदलने की रूपरेखा हैं। हालांकि, बहुत कुछ अब भी किया जाना बाकी है, जैसे भुगतान-गति सुनिश्चित करना, लागत-नियंत्रण, छोटे किसानों की भागीदारी बढ़ाना, गो- आधारित खेती, विविधीकरण को आगे ले जाना और जलवायु-संकट से निपटना, सीमांत किसानों की पहुंच, लेकिन गति सही है। मतलब साफ है अगर सरकार और इसके प्रशासनिक तंत्र इन चुनौतियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ जाएं, तो यूपी न सिर्फ गन्ना-उत्पादन में बल्कि किसानों की सामाजिक-आर्थिक उन्नति में भी देश का मॉडल राज्य बन सकता है। या यूं कहे अब समय है मूल्य-वृद्धिह्व को ह्लस्थायी किसान-समृद्धिह्व में बदलने का। किसान आज यह महसूस करता है कि उसकी आवाज सत्ता तक पहुंचती है, और खेत में पसीने की कीमत तय होती है। मतलब साफ है जब किसान मुस्कुराता है, तभी देश खिलता है। और यूपी के खेत-खलिहान में यह मुस्कान अब दिखाई देने लगी है, योगी सरकार की नीतियों ने मिट्टी से फिर से आत्मविश्वास की फसल उगाई है। 2017 के बाद किसानों के लिए केंद्र किसान-आय बढ़ाना, कृषि-विविधीकरण, सिंचाई सुधार, वित्त-सशक्तिकरण और पारदर्शिता बढ़ाना जैसी योजनाएं किसानों की न सिर्फ सकारात्मक्ता बढ़ाई है, बल्कि किसानों की आय और आत्मविश्वास में नई चमक आई है. आने वाला दशक यूपी के गन्ना-किसानों के लिए स्वयं-निर्भरता और सतत समृद्धि का दशक बन सकता है

-सुरेश गांधी

उत्तर प्रदेश, भारत की राजनीति का ध्रुवतारा और कृषि का प्राणकेंद्र। यहां की 65 फीसदी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़ी है। यह वही धरती है जहां खेतों की हरियाली न सिर्फ अन्न पैदा करती है, बल्कि लोकतंत्र के मानस को भी आकार देती है। 2017 में जब योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तब प्रदेश के किसान ऋण, बकाया भुगतान, सिंचाई संकट और मूल्य असमानता जैसी समस्याओं के जाल में उलझे थे। आठ वर्षों में तस्वीर बदली है, गन्ना मूल्य बढ़ा है, भुगतान तेज हुआ है, बीमा सरल हुआ है और किसानों के जीवन में एक नई नीति संस्कृति का प्रवेश हुआ है। बता दें, यूपी देश के कुल गन्ना उत्पादन का 45 प्रतिशत देता है। 2017 में योगी सरकार ने इसे कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ घोषित किया। अब तक 2.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान, गन्ना मूल्य 315 से बढ़ाकर ?370 प्रति क्विंटल, और भुगतान की औसत अवधि 14 महीने से घटाकर 14 दिन, यह आंकड़े सिर्फ प्रशासनिक नहीं, किसानों के जीवन के अर्थशास्त्र को बदलने वाले हैं। पहली बार ई-गन्ना पोर्टल और एसएमएस पर्ची सिस्टम लागू हुआ। किसानों को अब अपनी तौल, भुगतान और परिवहन का रीयल टाइम अपडेट मिलता है। गन्ना विभाग के सूत्रों के अनुसार, अब एक भी किसान को दलाल के माध्यम से पर्ची नहीं लेनी पड़ती। यह डिजिटल क्रांति ग्रामीण क्षेत्र तक पहुँची है। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा किए गए सर्वेक्षण (2024) में उत्तर प्रदेश के 78 फीसदी किसानों ने कहा, सरकार की योजनाओं से हमारी आमदनी में सुधार हुआ है। गन्ना किसानों का संतोष स्तर सबसे ऊंचा रहा (85 फीसदी)।

हालांकि पूर्वांचल और बुंदेलखंड के कुछ इलाकों में सिंचाई लागत और बाजार मूल्य के बीच संतुलन की समस्या अब भी है। किसान संगठनों का कहना है कि सरकार की नीयत साफ है, लेकिन स्थानीय स्तर पर क्रियान्वयन में और गति चाहिए। योगी जी ने जो दिशा दी है, वह ऐतिहासिक है। कहा जा सकता है योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश को कृषि-सुधार के राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित किया है। गन्ना मूल्य वृद्धि, मिल-पुनरुद्धार, डिजिटल भुगतान, क्रेडिट सुविधा और किसान-कल्याण योजनाएँ मिलकर एक नए कृषि मॉडल यूपी की नींव रख रही हैं। अगर यही रफ्तार बरकरार रही तो आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश न केवल देश का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य रहेगा, बल्कि किसानों की समृद्धि का आदर्श भी बनेगा। यूपी में गन्ना खेती लंबे समय से सामाजिक-आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण रही है। परंतु पिछले दशकों में यह पर चर्चा का विषय भी बनी, बिचैलिया, भुगतान-विलम्ब, बंद पड़ी मिलें, किसानों की कर्ज-दबाव आदि की त्रासदियाँ भी सामने आईं। पिछले दौर में गन्ना किसानों की शिकायतें लगातार बढ़ी थीं कि उत्पादन तो वही हो रहा है, लेकिन लाभ उन्हें नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में अब जो बदलवा देखने को मिल रहा है, वो सिर्फ एक मूल्य वृद्धि नहीं है, बल्कि एक समग्र दृष्टिकोण का रूप ले रहा है, जिसमें गन्ना उद्योग को पुनर्जीवित करना, किसानों की आमदनी बढ़ाना, भुगतान-पारदर्शिता सुनिश्चित करना और बहु-उत्पादन विकल्पों (जैसे एथेनॉल, बायोगैस) के माध्यम से खेती को सिर्फ मौसमी नहीं बल्कि साल भर-व्यवसाय बनाना शामिल है। सरकार ने 2025-26 क्रशिंग सत्र के लिए गन्ने का राज्य सलाह-मूल्य (एसएपी) प्रति क्विंटल ?400 (जल्दी पकने वाली किस्म के लिए) तथा ?390 (सामान्य किस्म के लिए) तय किया है, जो पूर्व की दरों से ?30 प्रति क्विंटल अधिक है। इस वृद्धि का अनुमानित प्रत्यक्ष प्रभाव लगभग 3,000 करोड़ रुपये किसानों की आमदनी में होगा। सरकार के बयानों के अनुसार इस अवधि में गन्ना मूल्य भुगतान राशि 2,90,225 करोड़ हो गई है, जो पूर्व एक दशक के भुगतान से लगभग 1,42,879 करोड़ अधिक है। यह कदम संवेदनशील-समय में था। गन्ना किसान आर्थिक रूप से संवेदनशील वर्ग हैं, और मूल्य वृद्धि ने उन्हें सिर्फ राहत नहीं दी, बल्कि एक प्रतीक-संदेश दिया, आपका काम मायने रखता है, आपका मुनाफा सुनिश्चित होगा। वर्तमान में 122 चीनी मिलें कार्यरत हैं, जो गन्ना उद्योग के लिए बड़ी क्षमता का संकेत है। पिछले वर्षों में सरकार ने 4 नई मिलें स्थापित कीं, 6 बंद मिलें पुनरारंभ कीं तथा 42 मौजूदा मिलों में क्षमता विस्तार किया गया है। स्मार्ट सुगरकेन फार्मर सिस्टम नामक डिजिटल प्रणाली लागू की गई है, जिसमें किसान-पर्ची, क्षेत्र-रजिस्ट्रेशन, भुगतान जानकारी आदि मोबाइल-आधारित हुईं और बिचैलियों की भूमिका कम हुई है। मिलों द्वारा समय-पर भुगतान न करने पर सरकार ने सख्त निर्देश जारी किये हैं कि क्षेत्र-आवंटन वहीं मिलेगा जहाँ भुगतान इतिहास बेहतर होगा। इन उपायों के पीछे एक स्पष्ट सोच है, गन्ना सिर्फ कृषि नहीं, बल्कि उद्योग-संवृद्धि का केंद्र बने। मिलें चलेगीं, किसान मिलेगा लाभ, ग्रामीण अर्थव्यवस्था सक्रिय होगी।

एथेनॉल से आत्मनिर्भरता

योगी सरकार ने केंद्र की एथेनॉल ब्लेंडिंग नीति को आगे बढ़ाते हुए 60 से अधिक शुगर मिलों को एथेनॉल उत्पादन की अनुमति दी। इससे दोहरा लाभ हुआ, मिलों की वित्तीय स्थिति सुधरी और किसानों को बकाया भुगतान समय पर हुआ। वर्तमान में यूपी देश का सबसे बड़ा एथेनॉल उत्पादक राज्य बन चुका है।

ऋणमाफी से राहत तकः किसानों को कर्जमुक्त करने की पहल

2017 में योगी सरकार का पहला ऐतिहासिक निर्णय, कृषि ऋणमाफी योजना ने 86 लाख लघु व सीमांत किसानों के 36,000 करोड़ से अधिक के ऋण माफ किए। इससे एक बड़ी सामाजिक राहत आई। किसान जो वर्षों से बैंक नोटिस और वसूली के भय में जी रहे थे, उन्होंने पुनः खेती में निवेश शुरू किया।

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) में नई गति

अब तक यूपी के 3.5 करोड़ किसानों को केसीसी कार्ड जारी किए जा चुके हैं। साल 2024 में राज्य सरकार ने केसीसी पर ब्याज सब्सिडी बढ़ाकर 4 फीसदी तक की, जिससे किसानों को ब्याज का बोझ कम हुआ। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और कृषक साथी की पहल

केंद्र की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत यूपी के 2.62 करोड़ किसान प्रत्यक्ष लाभार्थी हैं, जो देश में सबसे अधिक है। अब तक किसानों के खातों में ?65,000 करोड़ से अधिक की राशि सीधे भेजी जा चुकी है। राज्य सरकार ने इस योजना की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कृषक साथी पोर्टल लॉन्च किया। यह पोर्टल किसानों की पात्रता, भुगतान स्थिति और शिकायत निवारण की एकीकृत प्रणाली है।

सिंचाई क्रांतिः हर खेत तक पानी, हर फसल तक राहत

योगी सरकार ने सिंचाई को कृषि आत्मनिर्भरता का दूसरा आधार स्तंभ माना। हर खेत को पानी मिशन के अंतर्गत 51 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित की गई। सरयू नहर परियोजनाः 1970 से लंबित इस परियोजना को योगी सरकार ने पूर्ण कर 30 लाख किसानों को सीधा लाभ पहुंचाया। बाणसागर परियोजना ने बुंदेलखंड की बंजर जमीन में नमी की धाराएं लौटाईं। माइक्रो सिंचाई योजना से 12 जिलों में ड्रिप एवं सिंप्रकलर सिस्टम को सब्सिडी दी गई।

मण्डी सुधार और एमएसपी की गारंटी

योगी सरकार ने कृषि विपणन में क्रांतिकारी बदलाव किए। अब तक राज्य की सभी 250 से अधिक मंडियों में डिजिटल भुगतान व्यवस्था लागू की गई। एमएसपी पर धान, गेहूं, दलहन, सरसों की खरीद में 85,000 करोड़ से अधिक भुगतान हुआ। किसानों को सीधे बैंक खाते में राशि मिली, बिचैलियों की भूमिका समाप्त।

कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) मॉडल

राज्य में 4200 से अधिक एफपीओ पंजीकृत किए जा चुके हैं। यह समूह मॉडल किसानों को थोक विपणन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और निर्यात में मदद कर रहा है। गोरखपुर, बाराबंकी और रायबरेली के कई किसान अब अपने ब्रांड नाम से सब्जियां और मसाले बेच रहे हैं।

बीमा और आपदा राहत में बदलाव

अब फसल बीमा कागजी नहीं, कारगर है। यह बदलाव योगी सरकार के फील्ड प्रशासन ने संभव किया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 2024 तक 1.17 करोड़ किसानों को सुरक्षा दी गई। ओलावृष्टि, सूखा और बाढ़ से प्रभावित किसानों को 5500 करोड़ से अधिक की राहत राशि सीधे दी गई। आपदा राहत वितरण में भ्रष्टाचार लगभग समाप्त हुआ।

डेयरी, पशुपालन और मत्स्य क्षेत्र में समृद्धि

योगी सरकार ने कृषि को सिर्फ खेती नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पूरे इकोसिस्टम के रूप में देखा। मुख्यमंत्री दुग्ध विकास योजना के तहत 4 लाख दुग्ध उत्पादक लाभान्वित। मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना से 65 हजार मछुआरों को आर्थिक प्रोत्साहन। गोबर गैस और जैविक खाद संयंत्र से ग्राम पंचायतों की अतिरिक्त आमदनी बढ़ी। ई-गोपाला एप ने पशुधन के ट्रैकिंग, प्रजनन और टीकाकरण को डिजिटल बनाया।

जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर वापसी

कृषि में एक बड़ा बदलाव देखा गया, रासायनिक खेती से जैविक खेती की ओर संक्रमण। प्राकृतिक कृषि मिशन के तहत अब तक 10 लाख हेक्टेयर भूमि को रसायनमुक्त घोषित किया गया। अमेठी, ललितपुर, मिजार्पुर और सोनभद्र जैविक क्लस्टर के रूप में उभर रहे हैं। जैविक खाद उत्पादन इकाइयों को ?31 करोड़ की सब्सिडी मिली। किसानों को गोबर, वर्मी कम्पोस्ट और बायो-फर्टिलाइजर से अतिरिक्त आमदनी मिली।

तकनीकी खेती और युवाओं की नई भूमिका

योगी सरकार ने खेती को टेक्नोलॉजी से जोड़ने पर जोर दिया। कृषक यंत्र सेवा केंद्र, ड्रोन स्प्रे प्रणाली और कृषि मित्र योजना जैसी पहलें युवाओं को खेती से जोड़ रही हैं। 2024 में लॉन्च हुई कृषि मित्र योजना के तहत प्रशिक्षित युवाओं को सरकारी सहायता से उपकरण किराये पर देने का अवसर मिला। ड्रोन तकनीक के माध्यम से खाद व कीटनाशक छिड़काव में 35 फीसदी तक लागत घटाई गई। अब प्रत्येक जिले में एग्री टेक हब विकसित किए जा रहे हैं।

भविष्य की दिशाः किसान ऊर्जा सुरक्षा और नई सब्सिडी नीति

2025 के बजट में योगी सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए 77,000 करोड़ का आवंटन किया है। मुख्य घोषणाएंः ह्यकिसान ऊर्जा सुरक्षा योजना के तहत 1 लाख सौर पंप लगाने की योजना, मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि मिशन के लिए 1500 करोड़ का प्रावधान, कृषि प्रसंस्करण इकाइयों (एग्रो प्रोसेसिंग यूनिट) के लिए 50 फीसदी तक सब्सिडी। इन योजनाओं से किसान न केवल आत्मनिर्भर, बल्कि ऊर्जा स्वतंत्र भी होंगे।

कृषि का योगी मॉडल

योगी सरकार की नीति तीन स्तंभों पर आधारित है - 1. किसान केंद्रित प्रशासन, 2. प्रौद्योगिकी आधारित पारदर्शिता, 3. ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बहुआयामी वृद्धि। यह मॉडल राजनीतिक लाभ से आगे बढ़कर सामाजिक स्थिरता का साधन बना है। कृषि अब केवल खाद्यान्न नहीं, बल्कि ऊर्जा, उद्योग और नवाचार का स्रोत बन चुकी है। आठ वर्षों की यात्रा में योगी आदित्यनाथ ने किसान को नारा नहीं, नायक बना दिया है। गन्ना से लेकर गेहूं तक, सिंचाई से लेकर सौर ऊर्जा तक, किसान अब आत्मनिर्भरता के मार्ग पर है। योगी आदित्यनाथ का मानना है जब खेत सुरक्षित होगा, तभी अन्नदाता समृद्ध होगा और जब अन्नदाता समृद्ध होगा, तब ही राष्ट्र संपन्न होगा। उनकी यह सोच आज उत्तर प्रदेश की धरती पर सच होता दिख रहा है। गांवों की गलियों से लेकर नीति गलियारों तक अब एक नई गूंज है, कृषि का नवयुग शुरू हो चुका है, योगी मॉडल के साथ।

गन्ने से समृद्धि की राह

योगी सरकार ने किसानों को मीठी राहत दी हैं. गन्ना मूल्य वृद्धि से लेकर किसान कल्याण योजनाओं तक उत्तर प्रदेश में कृषि विकास का नया अध्याय है. सरकार ने किसानों, विशेष रूप से गन्ना उत्पादक किसानों के हित में बीते वर्षों में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। गन्ना मूल्य में वृद्धि, भुगतान की पारदर्शी व्यवस्था, बंद पड़ी मिलों का पुनरुद्धार, क्रेडिट सुविधा, और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से अब गन्ना किसान राज्य की अर्थव्यवस्था के सशक्त स्तंभ के रूप में उभर रहे हैं। यह केवल मूल्य वृद्धि नहीं, बल्कि किसानों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक दीर्घकालिक नीति परिवर्तन का प्रतीक है। गन्ना किसानों के लिए योगी सरकार ने इस वर्ष एक बड़ा तोहफा दिया है। नई दरों के अनुसार, अगेती गन्ने का मूल्य 400 प्रति क्विंटल, सामान्य गन्ना 390 प्रति क्विंटल, पिछली दरों की तुलना में 30 प्रति क्विंटल की वृद्धि. यह निर्णय न केवल किसानों के हित में आर्थिक राहत का माध्यम बना, बल्कि उत्तर प्रदेश को गन्ना नीति के नए मापदंड पर स्थापित किया है। अनुमान है कि इस कदम से प्रदेश के किसानों को करीब 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे अन्नदाता के सम्मान और परिश्रम का प्रतिफल बताते हुए कहा था कि गन्ना किसानों की खुशहाली ही प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूती है।

चीनी मिलों में नई जानः पारदर्शिता और तकनीकी क्रांति

योगी सरकार ने गन्ना उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए बहुआयामी कदम उठाए, 6 बंद चीनी मिलों का पुनरारंभ, 4 नई मिलों की स्थापना, और 42 मिलों में क्षमता विस्तार। ह्लस्मार्ट गन्ना किसान प्रणालीह्व की शुरूआत, जिससे मोबाइल ऐप के जरिए किसानों को गन्ना पर्ची, भुगतान सूचना और तोल विवरण ऑनलाइन उपलब्ध होने लगा। इससे बिचैलियों की भूमिका समाप्त हुई और किसानों को सीधे भुगतान सुनिश्चित हुआ। इस डिजिटल बदलाव ने गन्ना खरीद और भुगतान प्रक्रिया में अभूतपूर्व पारदर्शिता लाई है।

किसान क्रेडिट कार्ड और वित्तीय सशक्तिकरण

योगी सरकार का फोकस केवल गन्ने तक सीमित नहीं, बल्कि समग्र किसान कल्याण पर है। वर्ष 2025 से 26 में 25 लाख नए किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इससे किसान कम ब्याज दरों पर ऋण लेकर बीज, उर्वरक और सिंचाई के आधुनिक साधन खरीद सकते हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और राज्य योजनाओं का समन्वय कर योगी सरकार ने वित्तीय समावेशन की दिशा में ठोस कदम बढ़ाया है।

प्रशिक्षण, मिनी किट और पाठशालाएंः खेती में वैज्ञानिक सोच का समावेश

रबी सत्र 2025 से 26 के लिए 92,000 से अधिक मिनी किट किसानों को वितरित की जा रही हैं। 8,385 किसान पाठशालाएँ स्थापित कर कृषि विस्तार सेवाओं को गांव तक पहुंचाया गया है। दलहनी, तिलहनी और फसली विविधीकरण पर विशेष प्रोत्साहन योजनाएँ चलाई जा रही हैं ताकि किसान एक फसल पर निर्भर न रहें। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक स्थिरता लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कृषक दुर्घटना कल्याण योजनाः संकट में सहारा

कृषि कार्य के दौरान दुर्घटनाओं में पीड़ित किसानों के परिवारों को सहायता देने के लिए योगी सरकार ने ह्लकृषक दुर्घटना कल्याण योजनाह्व लागू की है। इसके तहत मृत्यु या स्थायी विकलांगता की स्थिति में ?5 लाख रुपये तक का मुआवजा दिया जाता है। हाल ही में 11,690 किसानों के परिवारों को कुल ?562 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। यह योजना किसान परिवारों के लिए सुरक्षा कवच बन चुकी है।

डिजिटल क्रांतिः हर किसान को उसका हक

योगी सरकार ने योजनाओं के लाभ वितरण में डिजिटल पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है। फार्मर रजिस्ट्रेशन पोर्टल और पीएम किसान पोर्टल को एकीकृत किया गया है। हर गांव में पंजीकरण शिविर आयोजित कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई पात्र किसान वंचित न रह जाए। भुगतान सीधे बैंक खाते में, बिना किसी मध्यस्थ के।

आर्थिक असरः गांवों में बढ़ी क्रयशक्ति, लौटी मुस्कान

गन्ना मूल्य वृद्धि और समय पर भुगतान से ग्रामीण बाजारों में नकदी प्रवाह बढ़ा है। किसान अब अपनी आवश्यकताओं के साथ भविष्य की योजनाओं में भी निवेश कर पा रहे हैं। स्थानीय व्यापार, ट्रैक्टर, खाद, उपकरण बिक्री में 15 से 20 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। ऋण पर निर्भरता कम हुई है, जिससे साहूकार-प्रथा घट रही है। ग्रामीण बाजारों में उत्साह और उपभोग-संवृद्धि देखी जा रही है।

अभी बाकी हैं कुछ चुनौतियां...

हालाँकि तस्वीर आशावादी है, फिर भी कुछ चुनौतियां शेष हैं,

1. मिलों का समय पर भुगतानः कई मिलें अभी भी बकाया भुगतान में विलंब कर रही हैं।

2. इनपुट लागत में वृद्धिः खाद, बिजली, श्रम और सिंचाई महंगी होने से किसानों का मुनाफा घटता है।

3. छोटे किसानों तक लाभ की पहुंचः योजनाओं की जानकारी और बैंकिंग पहुंच सीमांत किसानों तक सीमित है।

4. जलवायु परिवर्तन का खतराः बढ़ते तापमान और वर्षा की अनियमितता से गन्ना उत्पादन पर असर पड़ सकता है।

सरकार को इन मोर्चों पर स्थायी समाधान की दिशा में कदम और तेज करने होंगे।

सामाजिक-आर्थिक प्रभावः गाँव के बाजारों तक असर

गन्ना मूल्य वृद्धि से किसानों की क्रयशक्ति में वृद्धि हुई है, इससे ग्रामीण बाजार में अधिक धन प्रवाह हुआ है। मिलों के नियमित कामकाज और समय-बद्ध भुगतान से किसान-बिचैलिए-साहूकार श्रृंखला कमजोर हुई है, जिससे किसानों की निर्भरता कम हुई है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विविध हिस्सों में सक्रियता बढ़ी है, ट्रैक्टर/उपकरण बिक्री, खाद-उर्वरक की मांग, मजदूरी दरों में हल्की बढ़ोतरी जैसी प्रवृत्तियाँ देखने को मिल रही हैं। किसानों में आत्म-विश्वास बढ़ा है अब उन्हें लगता है कि उनकी समस्या सिर्फ सुनी जा रही है बल्कि हल की जा रही है। इस तरह गन्ना-सुधार सिर्फ खेतों तक सीमित नहीं रहाकृ यह गाँव-विस्तार तक पहुंची है।

चुनौतियां जो अभी अनसुलझी हैं

ठीक ही है कि हमें उत्साह के साथ कदमों की सराहना करनी चाहिए, मगर कुछ मूलभूत चुनौतियाँ अभी शेष हैं और इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

1. मिलों का समय-पर भुगतान सुनिश्चित करनाः मूल्य तो बढ़ा दिया गया, पर अगर मिलें भुगतान में लगातार विलम्ब करें, तो किसान का संदिग्ध अनुभव बना रहेगा। (पिछली बैठकों में इस पेंच को सरकार ने स्वीकार किया है)

2. उत्पादन-लागत का दबावः बीज, उर्वरक, श्रम, सिंचाई की लागत लगातार बढ़ रही है। यदि लागत-उभार कम नहीं हुआ तो मूल्यवृद्धि का वास्तविक लाभ कम हो सकता है।

3. छोटे व सीमांत किसानों तक पहुँचः बड़ी-खरीदार किसान आसानी से लाभ उठा रहे हैं, पर छोटे, भू-हीन, सीमांत किसानों को योजनाओं की जानकारी, बैंकिंग-संबंधित सेवाएँ एवं बाजार-उपलब्धता अभी भी सीमित है।

4. जलवायु-परिवर्तन एवं भूमि-उपजाऊताः वर्षा-अनियमितता, मिट्टी की गिरती उर्वरता, कीट-विकारों का बढ़ना जैसी चुनौतियाँ बढ़ती जा रही हैं, इनकी अनदेखी किसान-क्षेत्र के लिए जोखिम है।

5. उद्योग-विविधीकरण में गतिः गन्ना सिर्फ चीनी तक सीमित नहीं रहना चाहिए; एथेनॉल, बायोगैस, सीबीजी, जैव-ऊर्जा आदि विकल्पों को और गति देना होगा।

यदि इन चुनौतियों को समय रहते नहीं पकड़ा गया, तो मूल्य वृद्धि का लाभ क्षणिक रह सकता है। गन्ना-क्षेत्र में ह्यमूल्य-वृद्धिह्न अब सिर्फ शुरूआत है। असली बदलाव तब पूरी तरह संभव होगा जब आगे की दिशा पर जोर दिया जाए। कुछ सुझाव नीचे दिए गए हैं

उत्पादन विविधीकरणः गन्ने के साथ-साथ दलहनी, तिलहनी, फसल चक्र, गन्ना उपरोक्त अनुपूरक उत्पाद जैसे बायोगैस, एथेनॉल, सीबीजी को किसानों तक ले जाना।

स्मार्ट खेत-तकनीकः सॉइल-हेल्थ कार्ड, ड्रिप/माइक्रो सिंचाई, रोग-मानिटरिंग, यांत्रिक कटाई-प्रक्रिया को और व्यापक बनाना।

मिल-उद्योग लिंकः मिलों को सिर्फ चीनी उत्पादन तक सीमित न रखकर उन्हें इंटीग्रेटेड कृषि-उद्योग मॉडल (साइड-प्रोडक्ट, ऊर्जा उत्पादक संयंत्र) बनाना।

किसान शिक्षा एवं जागरूकताः सीमांत किसानों को बैंकिंग, बीमा, क्रेडिट-प्रक्रिया, योजना-लाभ के बारे में ज्यादा-से-ज्यादा प्रशिक्षित करना।

भुगतान-पारदर्शिता एवं निगरानीः समय-पर भुगतान सुनिश्चित करना, बिचैलियों की भूमिका कम करना, भुगतान-मेट्रिक्स सार्वजनिक करना।

जलवायु-सक्षम खेतीः जलसिंचाई-स्रोतों का संवर्धन, कृषि-मृदा संरक्षण, कीट-मानिटरिंग, बीज रोटेशन आदि पर विशेष ध्यान।

यदि ये दिशा-निर्देश सही रूप से अपनाए गए, तो उत्तर प्रदेश सिर्फ गन्ना-उत्पादन में ही अग्रणी नहीं रहेगा बल्कि किसानों की सामाजिक-आर्थिक उन्नति की मिसाल भी बन सकता है।

प्रमुख योजनाएँ एवं उनके लाभ

1.1 किसान कल्याण मिशन (2021)ः यह मिशन किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य के साथ शुरू किया गया था। लाभः किसानों को कृषि-विविधीकरण, पशुपालन, बागवानी आदि विकल्प दिए जाने का संकल्प था जिससे सिर्फ पारंपरिक फसल तक निर्भरता कम हो सके। उदाहरणः घोषणा में कहा गया था कि यह वही उत्तर प्रदेश है जहाँ 2017 से पहले किसानों को वे सम्मान, संसाधन नहीं मिलते थे।

1.2 यूपी एफपीओ पोर्टल (2021)ः किसानों एवं फसल-उत्पादक संगठन (एफपीओउस) को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने के लिए। लाभः किसानों को बाजार, मूल्य, उत्पाद प्रबंधन आदि की जानकारी एक मंच पर मिलने लगी; बिचैलियों की भूमिका कम होने लगी। संख्या मेंः शुरूआत में लगभग 576 एफपीओएस शामिल हुई थीं।

1.3 प्राकृतिक/गो-आधारित खेती पहल

सरकार ने कहा है कि गो-आधारित प्राकृतिक खेती से प्रति एक-ड़ ?10,000-?12,000 तक की बचत हो सकती है। लाभः लागत कम, मिट्टी-स्वास्थ्य बेहतर, दीर्घकालीन टिकाऊ कृषि की दिशा।

1.4 सिंचाई एवं बुनियादी ढांचा सुधार

पिछले आठ वर्षों में 29 बड़े, मीडियम और छोटे सिंचाई-प्रोजेक्ट पूरे किये गए, जिससे लगभग 19.11 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता बनी। लाभः खेतों में पानी की उपलब्धता बेहतर हुई, एक-दो फसल से अधिक फसल लेने के अवसर बढ़े।

1.5 किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) व अन्य वित्त-सशक्तिकरण योजनाएं

वर्ष 2025-26 के लिए 25 लाख नए किसानों को ज्ञब्ब से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया। लाभः कम-ब्याज पर ऋण मिलने की संभावना, साहूकारों पर निर्भरता में कमी; किसानों की क्रयशक्ति बढ़ती।

1.6 हाल की अन्य घोषणाएँ

खरीफ 2024-25 के लिए डिजिटल क्रॉप-सर्वे का काम लगभग 80 फीसदी पूरा हुआ। श्रीअन्न नामक अभियान के तहत मक्का-बाजरा-ज्वार जैसी फसलों की खरीद शुरूआत 1 अक्टूबर से। आगामी दिशा में फार्म-स्टे (एग्री टूरिज्म) योजना भी शुरू की गई है, ग्रामीण पर्यटन व किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर देने हेतु।

किसानों की संतुष्टि-स्थिति

गन्ना किसानों का एक समूह हाल ही में सरकार के निर्णय (गन्ना मूल्य वृद्धि) पर मुख्यमंत्री योगी को धन्यवाद दे चुका है, उन्होंने कहा है कि पारदर्शिता बढ़ी है, भुगतान प्रक्रिया बेहतर हुई है। इसके बावजूद, कुछ संकेत हैं कि पूरी तरह संतुष्टि नहीं है उदाहरण के लिए, एक रिपोर्ट में कहा गया कि 2,700 करोड़ किसान सहायता राशि का उल्लेख तो किया गया, लेकिन जमीन पर कार्यान्वयन में देरी पाई गई है। किसानों को यह भी कहा जा रहा है कि चिंता की कोई बात नहीं है, सरकार आपका ध्यान रखेगी, मुख्यमंत्री ने इस प्रकार आश्वासन भी दिया है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि बहुत-हद तक किसानों में सकारात्मक भाव है, खासकर उन किसानों में जिनको सीधे लाभ मिला है। लेकिन संतुष्टि सर्वत्र नहीं फैली है, क्षेत्र-विशेष, छोटे-किसान, भू-हीन किसानों में अभी भी चुनौतियाँ विद्यमान हैं।

आगे की तैयारियाँ और दिशा

16 सितंबर 2025 से पूरे राज्य में ह्ल100 फीसदी किसान पंजीकरण अभियानह्व शुरू होगा; लक्ष्य लगभग 2.88 करोड़ किसानों को पंजीकृत करना है। सरकार ने किसानों को तीसरी फसल लेने, आधुनिक खेती-तकनीक अपनाने, उच्च-मूल्य फसलें (जैसे फल, मसाले, बागवानी) बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाये हैं। प्राकृतिक/जीविका-सक्षम खेती को प्रोत्साहन देने के लिए लगभग ?2,500 करोड़ का योजना-पैकेज तय किया गया है। कृषि माह 2025 के दौरान ह्लटेक-ड्रिवन क्रॉप-कटिंग एक्सपेरिमेंट्सह्व लागू होंगे, जिससे फसल क्षति का आंकलन बेहतर होगा और मुआवजे व बीमा प्रक्रिया को गति मिलेगी। कृषि-उद्योग एवं पर्यटन के समन्वय के लिए फार्म-स्टे योजना जैसी पहल की गई है कृ किसानों को अतिरिक्त आय का स्रोत मिलेगा।

भिवंडी मनपा ने वंदे मातरम गीत के 150 वें वर्धापन पर सामूहिक गायन कार्यक्रम का किया आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा द्वारा वंदे मातरम्‌ गीत के 150 वें स्थापना दिवस के अवसर पर मनपा मुख्यालय के प्रांगण में सामूहिक गायन का का आयोजन किया गया। बतादे कि महाराष्ट्र सरकार के पर्यटन एवं सांस्कृतिक विभाग के दिनांक 31.10.2025 एवं 04-11-2025 के पत्रों के अनुसार तथा भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर के निर्देशानुसार वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर मनपा मुख्यालय के भूतल पर उपायुक्त विक्रम दराडे की अध्यक्षता में अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ वंदे मातरम गीत का समूह गायन कार्यक्रम आयोजित किया। इसी तरह प्रभाग समिति कार्यालय एवं विद्यालयों में भी समूह गायन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर उपायुक्त (कर) बालकृष्ण क्षीरसागर, जमील पटेल (शहर अभियंता), संदीप गाडेकर (चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी), अजीत महाडिक (सहायक आयुक्त चुनाव), सचिन नाइक (अति. शहर अभियंता), जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी आदि के साथ मनपा के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

भारत के प्रमुख आवासीय बाजारों में बिक्री और नई आपूर्ति स्थिर

मुंबई। भारत के अग्रणी रियल एस्टेट टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म हाऊसिंग डॉटकॉम की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2025), जो देश के मानसून सत्र के साथ मेल खाती है, में देश के प्रमुख आवासीय बाजारों में गतिविधि सुस्त रही। रिपोर्ट बताती है कि देश के आठ प्रमुख आवासीय बाजारों में बिक्री साल-दर-साल स्थिर रही, जबकि नई आपूर्ति में जुलाई-सितंबर अवधि के दौरान केवल 3% की मामूली वृद्धि दर्ज की गई।

आरईए इंडिया (हाऊसिंग डॉटकॉम) के सीईओ श्री नवीन शर्मा ने कहा, पिछले पाँच वर्षों में कीमतों में आई लगातार तेजी ने किफायती आवास क्षेत्र में बिक्री को प्रभावित किया है, जबकि यह श्रेणी इस सेक्टर की दीर्घकालिक स्थिरता और विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रीमियम और हाई-एंड सेगमेंट में उपभोक्ता भावना मजबूत होने के कारण मांग और आपूर्ति अच्छी बनी हुई है, लेकिन किफायती आवास की आपूर्ति, मांग बनी रहने के बावजूद, सीमित है। श्री शर्मा ने कहा, इसके लिए दोहरी रणनीति आवश्यक है – पहला, डेवलपर्स को किफायती आवास सेगमेंट में नई आपूर्ति बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना, और दूसरा, अंतिम उपभोक्ताओं के लिए घरों की वहनीयता में सुधार लाना। रिपोर्ट से पता चला कि 2025 की तीसरी तिमाही में टॉप आठ रेजिडेंशियल मार्केट में कुल 94,419 नए हाउसिंग यूनिट लॉन्च किए गए, जबकि 2024 की तीसरी तिमाही में यह संख्या 91,863 यूनिट थी। यह कई तिमाहियों तक सप्लाई में उतार-चढ़ाव के बाद एक मामूली लेकिन महत्वपूर्ण रिकवरी है। पिछली तिमाही के मुकाबले, नई सप्लाई में तिमाही-दर-तिमाही (दह्न्द) 12% की बढ़ोतरी हुई, जो इस साल की शुरूआत में डिमांड में बदलाव के बाद डेवलपर्स के नए आत्मविश्वास को दिखाता है। बेंगलुरु (22%), हैदराबाद (21%) और अहमदाबाद (23%) जैसे शहरों ने नए लॉन्च में तिमाही बढ़ोतरी में सबसे आगे रहे। साल-दर-साल, कोलकाता (69%) और चेन्नई (51%) जैसे शहरों में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई, जो उभरते और ज्यादा डिमांड वाले इलाकों में डेवलपर एक्टिविटी में तेजी का संकेत देता है। इस बीच, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) और पुणे, जो मिलकर देश की कुल सप्लाई पर हावी हैं, इस तिमाही में कुल नए लॉन्च का लगभग 40% हिस्सा थे। हालांकि एमएमआर में साल-दर-साल 17% की गिरावट देखी गई, लेकिन पुणे काफी हद तक स्थिर रहा, जो पश्चिमी भारत के हाउसिंग इकोसिस्टम में लगातार तेजी का संकेत देता है।

अगर अजित पवार ने पहले कार्रवाई की होती तो वह भूमि सौदा संबंधी विवाद से बच सकते थे: मंत्री पाटिल

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि अगर उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने समय रहते कार्रवाई की होती, तो वह अपने बेटे से जुड़ी एक कंपनी से संबंधित जमीन सौदे को लेकर उठे विवाद से बच सकते थे। वरिष्ठ नेता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी पवार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी व्यस्त दिनचर्या उनकी निष्क्रियता का कारण हो सकती है। कांग्रेस के पूर्व नेता विखे पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, अगर अजित पवार ने पुणे में जमीन मामले की भनक लगते ही कार्रवाई की होती, तो शायद यह स्थिति न बनती। लेकिन उनकी व्यस्त दिनचर्या को देखते हुए, कभी-कभी कुछ फैसले अपने आप हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जांच के आदेश दिए हैं और जल्द ही तथ्य स्पष्ट हो जाएंगे। गौरतलब है कि पश्चिमी महाराष्ट्र की राजनीति में विखे पाटिल परिवार और पवार परिवार के बीच पारंपरिक रूप से टकराव रहा है। हालांकि, विपक्ष द्वारा अजित पवार के इस्तीफे की मांग पर उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास इस्तीफे मांगने के अलावा और कोई काम नहीं है। यह विवाद पुणे के मुंधवा इलाके में 40 एकड़ सरकारी जमीन की कथित अवैध बिक्री से जुड़ा है, जिसकी कीमत लगभग 1,800 करोड़ रुपये बताई जा रही है। विपक्षी नेताओं का दावा है कि इसे अजित पवार के बेटे पार्थ से जुड़ी एक कंपनी ने केवल 300 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, बृहस्पतिवार को कंपनी के एक साझेदार और एक सरकारी अधिकारी समेत तीन लोगों के खिलाफ सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई, लेकिन अजित पवार ने इस लेन-देन से किसी भी तरह का संबंध होने से इनकार किया है।

अंबरनाथ में नगर पालिका चुनाव को लेकर शिवसेना ने कमर कसी

- शिवसेना कार्यकर्ता की बैठक ने जनसैलाब
- बड़ी संख्या में शिवसेना में युवाओं का प्रवेश

चेतन निर्मल

अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)। अंबरनाथ,नगर पालिका चुनावों को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने संगठन स्तर की बैठकें लेना शुरू कर दिया है. इसी कड़ी में गुरुवार की देर शाम को आगामी चुनावों के मद्देनजर शिवसेना के नेतृत्व में पदाधिकारियों की एक विशाल बैठक बुलाई गई इस बैठक में शिवसेना की पूर्व नगर अध्यक्ष मनीषा ताई वालेकर को शिवसेना का अगला नगराध्यक्ष उम्मीदवार के रूप में मनोनीत किया गया है। शिवसेना की इस बैठक में जिला अध्यक्ष गोपाल लांडगे और किरण सोनवणे, अरविंद वालेकर उपस्थित थे, पत्रकारों से बात करते हुवे गोपाल लांडगे ने भाजपा सहयोगी दल पर निशाला साधते हुवे कहा की हम भी किसी का इंतजार नहीं करेंगे हमें किसी की आवश्यकता नहीं है, इसलिए नगर अध्यक्ष की घोषणा करने का अधिकार शिंदे साहब का है,लोकसभा और विधानसभा हो सब चुनाव में एक साथ काम किया लेकिन इस चुनाव में गुटबाजी है इसका फायदा हमें जरूर होगा।

राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कहते हैं की युति का निर्णय शिंदे साहब लेंगे, लेकिन स्थानी नेता कोर कमेटी के नाम पर जो लोगों ने घोषणा की है, वह बिल्कुल गलत है वोटरों का यह अपमान है अंबरनाथ के वोटरों ने 25 साल शिवसेना को यहां की सत्ता दी है, मतदाताओं की अपेक्षा हमेशा शिवसेना ने पूरा किया है ऐसी घोषणा का हम निषेध करते हैं,

अगर कोई युति का पालन नहीं करता है तो उसका हम निषेध करते हैं, वो क्या बोलते हैं उसका कोई अर्थ नहीं है, उन्होंने जो घोषणा की है उसको हमने स्वीकार किया है कमल पानी में है या कीचड़ में है यह तो आने वाला समय तय करेगा।

मनोज जरांगे ने मुंडे पर उनकी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया

मुंबई। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विधायक धनंजय मुंडे ने उनकी हत्या की साजिश रची थी। मुंडे ने जरांगे के इस आरोप का खंडन करते हुए इस संबंध में दर्ज शिकायत की सीबीआई जांच कराने की मांग की। जालना पुलिस के अनुसार, जरांगे के सहयोगी गंगाधर कलकुटे द्वारा इस सप्ताह की शुरूआत में सामाजिक कार्यकर्ता की हत्या की साजिश रचे जाने का आरोप लगाते हुए दर्ज कराई गई एक औपचारिक शिकायत की जांच के बाद दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। संवाददाताओं से बातचीत में जरांगे ने आरोप लगाया, धनंजय मुंडे ने मेरी हत्या की साजिश रची थी। कंचन नाम का एक व्यक्ति, जो मुंडे का निजी सहायक या उनकी जान-पहचान का है, हिरासत में लिए गए संदिग्धों में से एक को परली गेस्ट हाउस ले गया था, जहां मुंडे ने एक बैठक बुलाई थी और उनसे बात की थी। उन्होंने दावा किया कि उनके फर्जी वीडियो और रिकॉर्डिंग बनाकर उन्हें बदनाम करने या कुछ दवाओं का इस्तेमाल करके उन्हें मारने की चर्चा हुई थी। जरांगे ने आरोप लगाया कि बैठक के बाद संदिग्धों ने उन्हें खत्म करने के लिए 2.5 करोड़ रुपये में सौदा किया। उन्होंने साजिश में कम से कम 18 लोगों के शामिल होने का दावा किया और आरोप लगाया कि संदिग्धों ने मुंबई में मुंडे से भी मुलाकात की और वारदात को दुर्घटना दिखाने के लिए एक वाहन मांगा।

महेश गायकवाड़ द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को देहू-आलंदी की निःशुल्क दर्शन यात्रा

कल्याण(उत्तरशक्ति)। सामाजिक कार्य और जनसेवा करने वाले जनता के सच्चे जनसेवक महेश गायकवाड़ ने कल्याण क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए देहू-आलंदी की निःशुल्क दर्शन यात्रा का आयोजन किया है। इस पहल से कई वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों के दर्शन करने का अवसर मिला है।

महेश गायकवाड़ जानकारी देते हुवे बताया कि यात्रा के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुबह के नाश्ते, पानी और की व्यवस्था की गई है, और प्रत्येक यात्री के आराम और स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए स्वयंसेवकों की एक विशेष टीम नियुक्त की गई है।

इस यात्रा के लिए बसों का संचालन करते हुए, महेश गायकवाड़ ने कहा कि हमारे समाज के वरिष्ठ नागरिक हमारी संस्कृति के आधार स्तंभ हैं। उन्होंने जीवन भर अपने परिवार और समाज के लिए काम किया है। उनके लिए यह यात्रा केवल एक दर्शन यात्रा नहीं है, बल्कि उनके चेहरों पर खुशी और संतुष्टि लाने का एक छोटा सा प्रयास है। स्थानीय नागरिकों और सहभागी वरिष्ठ नागरिकों ने गर्मजोशी से महेश का स्वागत किया है।

सैनिक भर्ती प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम व वीर नारियों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित

मुंबई(उत्तरशक्ति)। पुणे जिले के पिम्परी चिंचवड़ स्थित जी ड़ी मुदगुलकर नाट्यगृह में सैनिक भर्ती प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि मेजर जनरल संजय विश्वासराव, सेना पदक अतिरिक्त महानिदेशक भर्ती महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा और केंद्र शासित प्रदेश डीएनएच और डीडी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आर्मी टीम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मेजर जनरल संजय विश्वासराव, व कर्नल रजनीश गैरोला डायरेक्टर रिक्रूटमेंट ने सभी एनसीसी एमसीसी सहित बालक बालिकाओं को सेना भर्ती की प्रक्रिया तैयारियों के तरीके सहित अनेक विषयक प्रशिक्षण दिये। कार्यक्रम में एन सी सी टीम द्वारा नवसेना वायुसेना व थल सेना की झांकिया व भर्ती प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी डिसप्ले पर उपस्थित सेना कर्मियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम सेना व सामाजिक संगठनों के सहयोग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में वीर नारियों का सत्कार मेजर जनरल संजय विश्वासराव द्वारा तिरंगा भेंट कर व वेटरन्स भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ननवग द्वारा सैनिक प्रकोष्ठ की टोपी अंगवस्त्र पहनाकर किया गया। कार्यक्रम में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शूरवीरों की वीर पत्नियों मथुराताई जठार 1965के युद्ध में वीरगति प्राप्त, मंगल सालुंखे 1971 युद्ध में वीरगति प्राप्त, सुमन पाटील 1997 युद्ध में वीरगति प्राप्त, सुनंदा बोरसे 1999 युद्ध में वीरगति प्राप्त, प्रतिभा खटके 2002 युद्ध में वीरगति प्राप्त, मीरा मुरादे 2004 युद्ध में वीरगति प्राप्त, सुष्मिता पालेकर 2009 युद्ध में वीरगति प्राप्त, सुनंदा भोसले 2014 युद्ध में वीरगति प्राप्त, शीतल जगदाले 2015, स्वाती दलवटकर 2016 युद्ध में वीरगति प्राप्त, सोनाली फराटे 2016 युद्ध में वीरगति प्राप्त को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी प्रताप भोसले , नोइंग सिटीजन्स नीड़ क्लब के सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष व पूर्व नौसेना अधिकारी डॉ भोलानाथ सिंह,ननवग केसीएन क्लब अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी, रिटायर्ड सार्जेंट योगेंद्र कौशिक, स्मिता माने डॉ सुभाङ्गी सरोते, पुलिस मित्र संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल विरारी सहित अन्य अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विधायक के हांथो तीन दिन से लगातार नारियल तोड़ने का कार्यक्रम सुरु

कल्याण (उत्तरशक्ति)। भाजपा विधायक सुलभा गायकवाड़ के आशीर्वाद से कल्याण पूर्व विधानसभा 2024-25 विधायक निधि एवं जिला नियोजन समिति ठाणे निधि के 142 क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्यों के लिए लगातार तीन दिनों से भूमिपूजन कार्यक्रम चल रहा है।

जिसमें कल्याण पूर्व के हनुमान नगर, कैलाश नगर कोलसेवाड़ी चिंचपाड़ा 90 फीट रोड, विजय नगर, कमला देवी कॉलेज क्षेत्र जैसे कई स्थानों पर पूजा कर नारियल फोड़े गए हैं। इस मौके पर पूर्व नगर सेवक मनोज राय, सुभाष म्हस्के, विजय उपाध्याय, संदीप तांबे, संजय मोरे, सत्यप्रकाश उपाध्याय, राजू अंकुश, वंदना मोरे सहित भाजपा के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस उद्घाटन के बारे में अधिक जानकारी देते हुए विधायक सुलभा गायकवाड़ ने कहा कि कल्याण पूर्व क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के विकास में तेजी आने वाली है।

इसी तरह हमारे विकास कार्य लगातार चल रहे हैं नालियों, पैदल मार्गों (फुटपाथ) और सी.सी. सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन बुधवार और गुरुवार,शुक्रवार (5/6/7) को किया गया। लोकग्राम जयप्रकाश नगर चाल क्षेत्र में स्थित आर.सी.सी. नालियों, पैदल मार्गों और सी.सी. परशुरामवाड़ी क्षेत्र में साईंबाबा मंदिर परिसर में सड़कों का निर्माण, फुटपाथों का निर्माण, कोलसेवाड़ी स्थित पार्वतीबाई मोरे चाल, मराठा कोलसेवाड़ी क्षेत्र में आर.सी.सी. नाली और फुटपाथ निर्माण, वंदना कॉलोनी, आनंदवाड़ी जैसे विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। विधायक ने कहा कि जनता से किया हुवा वादा हम हर हाल में पूरा करके दिखाएंगे।

वाणगांव औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में मनाया गया भारत माता की स्तुति का गौरव दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। वाणगांव स्थित पद्मश्री जिव्या सोमा मशे शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 7 नवंबर 2025 को वंदे मातरम गीत के लेखन को 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक वंदे मातरम गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाराष्ट्र राज्य के कौशल्य, रोजगार, उद्योजकता एवं नाविन्यता विभाग तथा सांस्कृतिक कार्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता निवृत्त पर्यवेक्षक प्रा. संजय घरत ने वंदे मातरम गीत के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसकी पृष्ठभूमि, अर्थ, स्वदेशी आंदोलन से संबंध, वसुधैव कुटुंबकम की भावना, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की संकल्पना जैसे विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन किया। संस्थान के प्राचार्य संजय नामदेव भोई ने इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देशप्रेम के साथ हमें कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम में संस्थान के विद्यार्थियों ने वंदे मातरम गीत पर आधारित पथनाट्य प्रस्तुत किया, वहीं प्रशिक्षु छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति दी, जिन्हें दर्शकों ने उत्साहपूर्वक सराहा। इस मौके पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, बोईसर की नम्रता दीदी ने प्रेरणादायी मार्गदर्शन दिया। उनके साथ हेमा दीदी और समीर भाई उपस्थित थे। कार्यक्रम में वाणगांव पुलिस स्टेशन के प्रभारी उपनिरीक्षक पठाण, तलाठी सोपान पवार, रसिका पाटील, भूषण महाला, अजय बंजारा, श्रद्धा मुजलेकर, दहिसर सरपंच अमिता धोदडे सहित अनेक गणमान्य अतिथि, ग्रामस्थ, शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रास्ताविक प्रशांत बोकंद ने किया, सूत्रसंचालन प्रशांत वडार ने किया तथा आभार प्रदर्शन चंदन बंजारा सर ने व्यक्त किया।

जिला परिषद पालघर में वंदे मातरम का हुआ सामूहिक गायन

वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम आयोजित

पालघर (उत्तरशक्ति)। वंदे मातरम गीत की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार 7 नवंबर पालघर जिला परिषद के जननायक बिरसा मुंडा सभागृह क्रमांक 212 में अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया गया। राज्य शासन के पर्यटन तथा सांस्कृतिक कार्य विभाग के निदेशानुसार इस विशेष उपक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिला परिषद के अधिकारी और कर्मचारी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी ने देशभक्ति से ओतप्रोत माहौल में सामूहिक स्वर में राष्ट्रीय गीत का गायन करते हुए मातृभूमि के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। इस उपक्रम के माध्यम से जिला परिषद के कर्मचारियों और अधिकारियों ने राष्ट्रीय एकता, सम्मान और देशभक्ति का संदेश समाज तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

पुणे के आईटी पेशेवर से 14 करोड़ रुपये की ठगी : एक कथित साध्वी समेत तीन लोग हिरासत में लिये गये

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में अपनी आध्यात्मिक शक्तियों के बूते दो लड़कियों की स्वास्थ्य समस्याएं दूर करने का झांसा देकर उनके आईटी पेशेवर पिता से कथित रूप से 14 करोड़ रुपये ठग लेने के आरोप में एक कथित साध्वी एवं दो अन्य को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर दीपक डोलास ने कुछ दिन पहले पुणे पुलिस से शिकायत की थी कि एक कथित साध्वी ने यह दावा करते हुए उनके साथ धोखाधड़ी की है कि उसके पास आध्यात्मिक उपचार शक्तियां हैं। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने कहा, कोथरूड थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था और बाद में इसे आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को स्थानांतरित कर दिया गया। नासिक से तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया चल रही है।

पुलिस ने पुष्टि की कि हिरासत में लिए गए लोगों में कथित साध्वी भी शामिल है, लेकिन उसने और कोई जानकारी नहीं दी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि कथित साध्वी ने उनके परिवार को आश्वासन दिया था कि वह दैवीय हस्तक्षेप से उनकी बेटियों को ठीक कर सकती है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसने ने उन्हें अपनी संपत्ति बेचने के लिए राजी किया, जिसमें ब्रिटेन में एक घर, पुणे में अचल संपत्ति और अपने पैतृक गांव में कृषि भूमि शामिल थी। ब्रिटेन के उस घर में तकनीकी विशेषज्ञ कभी काम करते थे।

शिकायत में दावा किया गया है कि डोलास ने कालांतर में महिला को लगभग 14 करोड़ रुपये दिये। उन्होंने आरोप लगाया कि पैसे देने के बावजूद, उनकी बेटियों की सेहत में सुधार नहीं हुआ, जिसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

स्कार्पियो की टक्कर से बीकॉम छात्र की मौत, घर में मचा कोहराम

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को हौज पाही गांव के समीप एक दर्दनाक हादसे में 18 वर्षीय बीकॉम छात्र की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार हौज पाही गांव निवासी प्रकाश चौहान पुत्र फूलचंद चौहान का भांजा विशाल चौहान पुत्र स्वर्गीय सुरेंद्र चौहान, निवासी करंजाकला थाना सरायख्वाजा (जनपद सुल्तानपुर), बचपन से ही अपने ननिहाल में रहकर पढ़ाई करता था। वह टीडी कॉलेज में बीकॉम प्रथम वर्ष का छात्र था। शुक्रवार की सुबह विशाल किसी काम से घर से निकला था। इसी दौरान हाईवे पर वाराणसी की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कार्पियो ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे जिला अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद स्कार्पियो चालक कुछ दूरी पर अंडरपास के पास वाहन छोड़कर फरार हो गया।

सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष जफराबाद श्रीप्रकाश शुक्ल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्कार्पियो को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जौनपुर में जेब्रा के सामूहिक विवाह के लिये आगे आयें लोगः उर्वशी सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक एवं रचनात्मक संस्था जेब्रा फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आगामी 7 दिसम्बर को सर्वधर्म सामूहिक विवाह का भव्य आयोजन सुनिश्चित किया गया है। उसकी तैयारियां भी काफी जोर–शोर से की जा रही हैं। इसी के बाबत अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट अध्यक्ष उर्वशी सिंह अपने ट्रस्ट परिवार के सदस्यों के साथ में एक बैठक के माध्यम से कहा कि दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिये उपरोक्त जैसे आयोजन सामूहिक शक्ति से प्रयास करने की आवश्यकता है। इसमें सभी धर्म एवं जातियों के विवाह योग्य जोड़े सम्मिलित हो सकते हैं। वे सभी बिना किसी भेदभाव के दाम्पत्य सूत्र में बंधेंगे। इच्छुक जोड़ों के माता-पिता एवं अभिभावक जिला मुख्यालय सहित जिले की समस्त तहसीलों में स्थापित केंद्रों से जानकारी प्राप्त कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। सभी ट्रस्ट परिवार ने आयोजक संजय सेठ जेब्रा अध्यक्ष को सफल कार्यक्रम की अग्रिम शुभकामनाएं भी प्रेषित किया! उर्वशी सिंह ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराने की अपील करते हुये कहा कि दहेज एक ज्वलंत मुद्दा है। हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है कि समाज से इसे दूर करने का दृढ़ संकल्प लें।सामुहिक विवाह सम्मेलन में सभी ट्रस्ट परिवार के सदस्य बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे और जो समर्थ होगा सहयोग भी करेंगे! सभी संस्थाओं के साथ साथ आम जनता से भी अपील है कि इस मुहिम में जुड़े।

ट्रैक्टर-बाइक की टक्कर में एक की मौत, दो घायल

सुजानगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज बदलापुर मार्ग पर बलुआ बाग स्थित पेट्रोल पंप के पास ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में एक की मौत हो गई जब कि दो घायल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामबरन गुप्ता निवासी भीटी थाना फतनपुर जिला प्रतापगढ़ शादी का निमंत्रण बांट कर घर जा रहे थे। सुजानगंज बदलापुर मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास ट्रैक्टर ने टक्कर मार दिया जिससे बाइक पर सवार प्रेमचंद गुप्ता बाइक चला रहे रामबरन गुप्ता एवं उनकी बेटी खुशी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुजानगंज ले आई। जहां चिकित्सक ने प्रेम प्रेमचंद गुप्ता को मृत घोषित कर दिया, जब कि दो अन्य का इलाज चल रहा है। चालक रामबरन को कोई खास चोट नहीं लगी है प्रेमचंद गुप्ता रामबरन के पिता है। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि घटनास्थल पर मुख्य मार्ग बरसात में बह गया था। जिस पर विभाग मिट्टी का टिला बनाकर अपने कार्य की इतिश्री कर लिया है। जिससे दुर्घटना की संभावनाएं बढ़ गई है।

गोमती नदी में तैरता मिला अज्ञात अधेड़ का शव, शिनाख्त हेतु पुलिस कर रही प्रयास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चन्दवक क्षेत्र के बलुआ घाट के समीप गुरुवार की दोपहर करीब 3 बजे गुजर रहे मछुआरों ने गोमती नदी में उतराया हुआ अधेड़ का शव देखकर हसप्रद रह गए। देखते ही देखते लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई, तत्पश्चात इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नदी के बाहर निकलवाकर शिनाख्त करने का प्रयास किया लेकिन कामयाबी नहीं मिल सकी। मृतक की उम्र करीब 55 वर्ष आंकी गई है। मृतक के शरीर पर मैरून रंग का शर्ट और काले रंग की जीन्स पैंट था। शव कई जगह से गल चुका था। थाना प्रभारी निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि शव करीब 15-20 दिन पुराना लग रहा है। शिनाख्त का प्रयास किया गया लेकिन नहीं हो सकी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

उद्यान विभाग द्वारा लगाया जायेगा सब्जी बीज का मेला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत जनपद में 170 हे0 शंकर शाक भाजी सब्जी के लक्ष्य प्राप्त है। इसी क्रम में कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी परिसर में 10 नवम्बर 2025 को सब्जी बीज वितरण हेतु मेले का आयोजन किया गया है जिसमें निदेशालय स्तर से इम्पैनल्ड कुल 19 निमार्ता कम्पनियों के प्रतिभाग करने की सम्भावना है। जनपद में 170 हे0 क्षेत्रफल में शाकभाजी का विस्तार किया जाना है, जिन किसानों ने सब्जी की खेती के लिए पंजीकरण कराया है। वह आयोजित मेले में सब्जी बीज प्राप्त कर सकते है अथवा अपनी डिमांड दे सकते है। साथ ही नये किसान भी मेले में विभागीय वेबसाइट http://dbt.uphorticulture.in पर पंजीकरण करा सकते है। सब्जी लगाने के लिए 0.20 से अधिकतम 2.00 हे0 क्षेत्रफल तक के लिए पंजीकरण कराकर बीज प्राप्त कर सकते है। इच्छुक किसान टमाटर, शिमला मिर्च, मसाला मिर्च, पत्तागोभी, ब्रोकली, खीरा, भींडी, लौकी, करेला, नेनुआ, बैगन, तरबूज, चप्पन कद्दू आदि सब्जी का बीज निःशुल्क प्राप्त कर लाभान्वित हो सकते है।

आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से सफलता संभवः के.गिरी

◆ पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ विशेष सत्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में शुक्रवार को अनलाक योर इधर पोटेंशियल विषय पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर में किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा जगत के प्रसिद्ध व्यक्तित्व के. गिरी ने विद्यार्थियों को आत्मविकास, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के माध्यम से सफलता प्राप्त करने के सूत्र बताए। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हर व्यक्ति के भीतर असीम संभावनाएँ छिपी होती हैं। जिन्हें पहचानकर सही दिशा में प्रयास किया जाए तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। गिरी ने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि सफलता केवल तकनीकी ज्ञान पर निर्भर नहीं करती, बल्कि आत्मअनुशासन, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व क्षमता भी समान रूप से आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं को समझना और अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानना ही जीवन में आगे बढ़ने का पहला कदम है। वर्ष 1992 में उन्होंने 250 से अधिक पब्लिक स्कूलों की स्थापना में प्रमुख भूमिका निभाई। वर्ष 1995 से अब तक उन्होंने देशभर में 20 से अधिक प्रबंधन संस्थानों की स्थापना की है, जिनसे 5000 से अधिक विद्यार्थियों ने सफल करियर की दिशा प्राप्त की है। इस अवसर पर प्रो प्रदीप कुमार ने कहा कि इस प्रकार के सत्र विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और करियर निर्माण में मील का पत्थर साबित होते हैं। विश्वविद्यालय भविष्य में भी इस तरह के प्रशिक्षण और विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम के आरंभ में सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने के. गिरी का बुके भेंट कर स्वागत किया। स्वागत और परिचय भाषण छात्रा श्रेय मिश्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में पर प्रो. अविनाश डी. पार्थडीकर,श्याम त्रिपाठी, दिव्यांशु संजय, आयुष गुप्ता, रुद्रांश चतुवेर्दी, वैभव सिंह सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश सचिव ने संगठन के साथियों संग पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश सचिव विनय जायसवाल ने संगठन के सभी साथियों के साथ पुलिस अधीक्षक के द्वारा व पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश को पत्र दिया और उनसे यह मांग की उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले के पुलिस अधीक्षक को आदेश जारी करें। जिससे उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रतिनिधि जुड़कर वैकल्पिक सहयोगिक रूप में कार्य कर सकें। यह भी कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य ही शासन प्रशासन के साथ मिलकर काम करना है। मानवाधिकार संगठन भारत सरकार से पंजीकृत संगठन है। जनहित के क्षेत्र में कई कार्य मानव अधिकार संगठन द्वारा संपूर्ण उत्तर प्रदेश में किया गया है और आगे भी किया जाएगा। कोई भी समस्या प्रशासन के पास आती है तो जल्द से जल्द उस समस्या का निस्तारण किया जाए। जिससे फरियादियों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। जिससे प्रशासन पर लोगों का विश्वास भी बना रहे।

ज्ञापन देने वालों में राज जायसवाल, अखिलेश अग्रहरि, मनीष सिंह, मोतीलाल सोनी, रितेश मोदनवाल, अलख निरंजन गौतम, मुकेश यादव, चंद्रेश जायसवाल, गौरव सिंह, संदीप यादव, सचिन सिंह, रनवीर सिंह, रविश यादव, राजेश यादव, अनुराग गुप्ता, आशीष सोनी, पीयूष, सुनील कश्यप इत्यादि लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे।

अनेकता में एकता का अनुपम उदाहरण निरंकारी सामूहिक शादियाँ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 78वें निरंकारी संत समागम के समापन उपरांत, समालखा के उन्हीं मैदानों में सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित की उपस्थिति में सादगीपूर्ण निरंकारी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवविवाहित युगलों ने परिणय सूत्र में बंधकर अपने नवजीवन की मंगलमय शुरूआत हेतु सतगुरु से शुभ आशीर्वाद प्राप्त किया। यह समारोह अत्यंत अनुपम और प्रेरणादायी रहा, जहाँ भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों बिहार, चंडीगढ़, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड सहित विदेश जैसे ऑस्ट्रेलिया और कनाडा से 126 नव युगल सम्मिलित हुए। इसी क्रम में जनपद जौनपुर के ब्रांच कुडरियां,व ब्रांच जासोपुर से 2 नव युगल जोड़े सम्मिलित हुए।

यह जानकारी देते हुए स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने बताया कि इस शुभ अवसर पर 126 वर-वधू एक ही स्थल से एकत्व और सरलता का सुंदर संदेश देते हुए परिणय सूत्र में बंधे। इस अवसर पर मिशन के वरिष्ठ अधिकारीगण, वर-वधू के परिजन, श्रद्धालु भक्तगण ने इस दिव्य एवं भावनात्मक दृश्य का भरपूर आनंद प्राप्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारम्परिक जयमाला एवं निरंकारी परंपरा के विशेष सांझा-हार से हुआ। तत्पश्चात भक्तिमय वातावरण में निरंकारी लावों का हिंदी भाषा में गायन किया गया, जिनकी प्रत्येक पंक्ति नवविवाहित युगलों के लिए आध्यात्मिक संदेशों एवं गृहस्थ जीवन की कल्याणकारी शिक्षाओं से परिपूर्ण थी। आयोजन के दौरान सतगुरु माता एवं निरंकारी राजपिता ने नवविवाहित जोड़ों पर पुष्पवृष्टि कर उन्हें सुखमय, आनंदमय एवं समर्पणमय जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया।

यह आयोजन प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी अपनी सादगी, समरसता और एकत्व के दिव्य संदेश से आलोकित रहा, जो जाति, धर्म, भाषा और प्रांतीय भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता के एक सुंदर, समग्र एवं प्रेरणादायी स्वरूप को अभिव्यक्त करता है।

सतगुरु माता जी ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि आज इस पावन अवसर पर सभी जोड़े सुंदर रूप में सजे हुए हैं। विवाहित जीवन की सार्थकता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए सतगुरु माता ने कहा कि यह समारोह केवल एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि प्यार, सम्मान और सहयोग से भरे पवित्र मिलन का प्रतीक है। विवाहित जीवन में यह बराबरी और सांझेदारी का संदेश देता है। जिस प्रकार लावों में भी बताया गया, यदि आध्यात्मिक प्रयास में किसी का योगदान कम हो, तो दूसरा उसे प्रोत्साहित करे, जिससे जीवन की यात्रा संतुलन और सामंजस्य के साथ आगे बढ़े।

सतगुरु माता ने यह भी स्पष्ट किया कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं है, बल्कि यह दो परिवारों का पवित्र संगम है। इस मिलन में दोनों पक्ष अपने सामाजिक और पारिवारिक उत्तरदायित्वों के साथ सेवा, सत्संग, सुमिरण और भक्ति के पहलुओं को भी निभाते हैं। अंत में सतगुरु माता ने नवविवाहितों के वैवाहिक जीवन के लिए मंगलकामना करते हुए प्रार्थना की कि निरंकार प्रभु की अनंत कृपा सभी पर बनी रहे और यह पवित्र मिलन खुशी, प्रेम और सौहार्द का प्रतीक बनकर ताउम्र स्थायी रहे।

संत निरंकारी मंडल के सचिव आदरणीय जोगिन्दर सुखीजा जी ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज कल्याण विभाग के सहयोग से आज सतगुरु माता के सान्निध्य में इस वर्ष लगभग 126 जोड़े भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी सम्मिलित हुए।

एटीएम से पैसा निकालने जा रहा युवक सड़क दुर्घटना में हुआ घायल

मो.असलम खान, केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के कुसरना गांव निवासी नागेश पुत्र सहदेव शुक्रवार को बकुलीय बाजार में स्थित एटीएम से पैसा निकालने जा रहा था जैसे ही पार्वती स्कूल के समीप पहुंचा तभी तेज रफ्तार जा रही अज्ञात वाहन से जोरदार टक्कर हो गई।टक्कर में बाइक सवार गंभीर से घायल हो गया टक्कर की आवाज सुन आस पास के लोगो की भीड़ इकट्ठा हो गई भीड़ से किसी ने घटना की सूचना पुलिस को दी गई,सूचना पर पहुंची पुलिस घायल के उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई जहां चिकित्सकों ने घायल की स्थिति गंभीर देख प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रिफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार नागेश किस्त पर गाड़ी लिया था किस्त का पैसा लेने वाले घर पर बैठे हुए थे।किस्त का पैसा देने के लिए नागेश बाइक से बकुलिया बाजार जा रहा इसी दौरान दुर्घटना का शिकार हो गया। परिजनों ने बताया कि नागेश का इसी माह 16 तारीख को शादी पड़ी हुई है।

वन्दे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जनपद में हुआ भव्य आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के द्वारा रचित राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे देश में 07 नवम्बर 2025 से 07 नवम्बर 2026 तक चार चरणों में यह ऐतिहासिक अवसर भव्य रूप से मनाया जाना है। जिसके क्रम में जनपद जौनपुर में भी विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

जनपद में मुख्य कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुआ, जिसमें जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चैहान, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शिक्षकगण, छात्रों सहित अन्य की उपस्थिति में लोक भवन सभागार लखनऊ से आयोजित मुख्य कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को देखा गया और मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना गया। इसके साथ ही उपस्थित सभी के द्वारा सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम का गायन भी किया गया।

इस अवसर पर जनक कुमारी इंटर कॉलेज, किड्स वर्ल्ड स्कूल, टी.डी. कॉलेज, राज कॉलेज एवं कस्तूरबा गांधी विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम्‍ का सामूहिक गायन किया गया तथा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं।

जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार जनपद के सभी शैक्षणिक संस्थानों में वन्दे मातरम्‍ गीत के माध्यम से विद्यार्थियों को इसके ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराया गया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं प्रबुद्ध साहित्यकार, सरस्वती मां के उपासक बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी ने उस समय इस गीत की रचना की थी, जब हमारा देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़े हुए था तथा औपनिवेशिक शक्तियों से संघर्ष कर रहा था। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम्‍ ने सभी में राष्ट्रीय चेतना उत्पन्न करते हुए अपनी मातृभूमि, अपने देश की स्वतंत्रता के लिए सामूहिक रूप से संगठित होकर अपने देश की आजादी की लड़ाई लड़ने का हौसला दिया। यह गीत राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम का आह्वान था जिसने जाति, धर्म और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर देश को एकता के सूत्र में बाँधा। यह अवसर इस गीत को स्मरण करने का दिवस है।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह गीत मात्र प्रेरणा नहीं, अपितु देश वासियों के मन में स्वतंत्रता की ज्वाला प्रज्वलित करने वाला राष्ट्रीय प्रतीक है। उन्होंने बताया कि सभी विद्यालयों में वन्दे मातरम्‍ गीत के नियमित गायन तथा वाद-विवाद, निबंध और गीत प्रतियोगिताओं के आयोजन के निर्देश दिए, जिनमें उत्कृष्ट प्रतिभागियों को जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत एनसीसी कैडेट्स, स्कूली बच्चों, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, अधिवक्तागण सहित अन्य द्वारा रैली निकाली गई, जिसमें भारत माता की जय और वन्दे मातरम्‍ के नारे लगाते हुए पूरे वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, सह जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, जिला समन्वयक माध्यमिक शिक्षा राजन, जिला पंचायत राज अधिकारी नवीन सिंह सहित बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकगण, छात्रगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी मुफ्तीगंज कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा आज खंड विकास अधिकारी, मुफ्तीगंज के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली एवं अभिलेखों का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान नैपुरा निवासी संदीप कुमार जो अपने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु कार्यालय आए हुए थे। जिलाधिकारी ने स्वयं ऑपरेटर के साथ बैठकर कुछ ही मिनटों में उनका प्रमाण पत्र निर्गत करवाया। इस त्वरित कार्यवाही से प्रभावित होकर संदीप कुमार ने माननीय मुख्यमंत्री जी तथा जिला प्रशासन की त्वरित और संवेदनशील कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने उन्हें अंगवस्त्रम प्रदान किया।

जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्रों के निर्गतन में किसी भी प्रकार की देरी न की जाए तथा आमजन को समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने क्षेत्र पंचायत निधि से बन रहे मीटिंग हॉल के निर्माण की प्रगति की भी जानकारी प्राप्त की। खंड विकास अधिकारी ने अवगत कराया कि बजट की कमी के कारण कार्य अस्थायी रूप से रुका था, किंतु अब बजट प्राप्त हो गया है और कार्य प्रारम्भ हो गया है, शीघ्र कार्य पूर्ण कराया जाएगा।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने निर्देश दिए कि कार्यालय में आने वाले प्रत्येक फरियादी से शालीनता और संवेदनशीलता के साथ व्यवहार किया जाए तथा उनकी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत हो रहे कार्यों का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार, खंड विकास अधिकारी अस्मिता सेन, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि, तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भारतीय हॉकी के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर हॉकी मैच का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ से प्राप्त निर्देश के क्रम में इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर, जौनपुर में भारतीय हॉकी को 07 नवम्बर, 1925 को अंतर्राष्ट्रीय हॉकी संघ (ऋक्क्ल) से जुड़ने के शताब्दी वर्ष पर एवं विगत में हॉकी के गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास के अवसर पर बालक एवं बालिका हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन हॉकी इण्डिया एवं यू0पी0 हॉकी के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश के 75 जनपदों में आयोजित किया गया। हॉकी के गौरवशाली इतिहास की स्मृति में इन्दिरा गांधी स्टेडियम में इण्डियन हॉकी के 100 वर्ष के रूप में मनाते हुए हॉकी का मैच आयोजित किया गया। उक्त मैच में मुख्य अतिथि के रूप में अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य श्याम बाबू यादव के साथ ही जनपद जौनपुर के हॉकी के वरिष्ठ राष्ट्रीय खिलाड़ी रूद्रप्रताप सिंहह्ल भी उपस्थित थे, जिन्हें क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह द्वारा अंगवस्त्रम प्रदान कर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि श्री सिंह द्वारा अपने ह्लउद्घाटन सम्बोधन में हॉकी के गौरवशाली इतिहास को रेखांकित करते हुए खिलाड़ियों को खेल से जुड़ने एवं कैरियर के रूप में अपनाने पर बल दिया गया।ह्ल उक्त द्वय अतिथि गण द्वारा हॉकी मैच में उपस्थित टीमों से परिचय प्राप्त करने के पश्चात हॉकी बाल को स्टीक से मारकर हॉकी प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर हॉकी जौनपुर के सचिव सुधान्शु गुप्ता एवं हॉकी प्रशिक्षक मो0 इजहार भी उपस्थित थे जिनका जनपद जौनपुर के प्रशिक्षकों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

आज के आयोजित मैच में बालक वर्ग में इन्दिरा गांधी स्टेडियम की हॉकी टीम ने जनता जनार्दन इण्टर कालेज की टीम को 2-0 से पराजित किया। बालिका वर्ग में के0 के0 स्पोर्ट्स क्लब की हॉकी टीम ने एस0 एस0 पब्लिक स्कूल की टीम को 03-01 से पराजित किया। आज के आयोजित मैच में कन्हैया सिंह यादव, कबड्डी प्रशिक्षक, कृष्ण कुमार यादव, एथलेटिक्स प्रशिक्षक, शशि कुमार यादव, बॉक्सिंग प्रशिक्षक, दिलीप कुमार, वॉलीबाल प्रशिक्षक एवं निलेश कुमार यादव, हैण्डबाल प्रशिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कन्हैया सिंह यादव द्वारा किया गया। अन्त में क्रीड़ा अधिकारी द्वारा उपस्थित अतिथियों एवं खिलाड़ियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

आरोपः विपक्षी जबरन मुख्य द्वारा को कर रहे है बंद

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के उदयचंदपुर गांव निवासी शांति पत्नी संजय चौहान कोतवाली में नामजद तहरीर देकर आरोप लगाया कि पारिवारिक पुस्तैनी मकान है जिसका बटवारा हो गया। बंटवारे के मुताबित अपने हिस्से में सपरिवार काबिज है। बुधवार को विपक्षियों द्वारा मकान के मुख्य द्वार के सामने जबरन अवैध तरीके से पक्की दिवाल बनाकर रास्ता अवरुद्ध कर रहे थे जिसकी शिकायत पुलिस से की गई पुलिस मौके पर आई और दिवाल बनाने से मना कर के वापस लौट गई।विपक्षियों द्वारा गुरुवार की सुबह दोबारा दिवाल बनाने लगे,दिवाल बनाने से द्वारा मना करने पहुंची तो विपक्षी भद्दी भद्दी गालियां देते हुए लात घुसो व डंडा ईट से मारने पीटने लगे।बीच बचाव करने पहुंची शिवानी को भी मारे पिटे। वही पुलिस पीड़िता के तहरीर के आधार पर मामले की छानबीन में जुट गई है।

गुरु नानक जयंती पर वसई गुरुद्वारे में किया दर्शन

वसई (उत्तरशक्ति)। गुरु नानक देव जी की जयंती के पावन अवसर पर वसई पश्चिम स्थित गुरुद्वारा साहिब में भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने गुरुद्वारे में शीश नवाया, गुरबाणी कीर्तन सुना और गुरु नानक देव जी से समाज की सुख-समृद्धि एवं एकता के लिए अरदास की। कार्यक्रम में सिख समुदाय ने पारंपरिक श्रद्धा और सेवा भावना के साथ गुरु नानक देव जी के उपदेश – नाम जपो, किरत करो, वंड छको – को आत्मसात करते हुए देश और समाज के प्रति अपनी निष्ठा का परिचय दिया। गुरुद्वारा समिति के प्रमुख पदाधिकारियों में सरदार सुरिंदर सिंह सेठी (अध्यक्ष), सरदार शेरी छाबड़ा (उपाध्यक्ष), सरदार विली चड्ढा (सचिव), सरदार बॉबी सेठी (समिति सदस्य) तथा सरदार छोटू आनंद (समिति सदस्य एवं पूर्व पार्षद) उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी गुरुद्वारे पहुंचे और गुरु नानक देव जी के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। सिख समुदाय ने देश की एकता, सेवा और मानवता के उत्थान में अपने अमूल्य योगदान को दोहराते हुए कहा कि सेवा ही परम धर्म है – यही गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का सार है, जो आज भी समाज को प्रेरणा प्रदान करता है।

आदिवासी बचाओ, कातकरी बचाओ आंदोलन से र गूंजा सामाजिक न्याय का स्वर

ठाणे। जिले से निकलकर ठाणे जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने आदिवासी बचाओ, कातकरी बचाओ आंदोलन के तहत हजारों आदिवासी और कातकरी समाज के लोग एकत्र हुए। महाराष्ट्र राज्य कार्य समूह और उसके संस्थापक विवेकभाऊ पंडित के नेतृत्व में इस आंदोलन ने सामाजिक न्याय, सम्मान और समानता के लिए एक सशक्त स्वर उठाया। इस अवसर पर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित, भाजपा विधायक संजय केलकर, विधान परिषद के भाजपा विधायक निरंजन डावखरे, शिवसेना विधायक शांताराम मोरे, जिला कलेक्टर, उप जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस निरीक्षक, और श्रमजीवी संगठन के पदाधिकारी तथा हजारों आदिवासी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आंदोलन के दौरान उठो कातकरी, उठो संगठन का सूत्र बनो! जैसे जोशीले नारे गूंज उठे। शाम 7 बजे संकल्प दीप प्रज्वलन किया गया, जो कातकरी समुदाय के सम्मानजनक जीवन के संघर्ष और एकजुटता का प्रतीक था। इस ऐतिहासिक जनआंदोलन ने ठाणे की धरती से सामाजिक समानता और न्याय की एक नई जनजागृति की शुरुआत की है। विवेकभाऊ पंडित ने इस अवसर पर कहा अब समय आ गया है कि हर कातकरी, हर आदिवासी अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर खड़ा हो – यह संघर्ष सिर्फ जमीन का नहीं, सम्मानजनक जीवन का है।

ब्रिटानिया, डब्ल्यूपीपी मीडिया के सहयोग से फिर से लाए बॉर्बनइट चैलेंज 2.0

मुंबई। जब बात डेजर्ट यानि मीठे व्यंजनों की हो तो ट्विस्ट किसे नहीं लुभाता। एक छोटा सा बदलाव किसी भी रेसिपी को नया अवतार दे सकता है। और ब्रिटानिया बॉर्बन से बेहतर ऐसा ट्विस्ट और कौन ला सकता है? तो किचन में कुछ नया अनुभव आजमाने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि ब्रिटानिया बॉर्बन अपने बॉर्बनइट चैलेंज 2.0 को फिर से ला रहे हैं, जिसे वॉइस-पावर्ड और बहु-भाषी रेसिपी अनुभव के साथ नया आयाम दिया गया है। डब्ल्यूपीपी मीडिया के सहयोग से तैयार किया गया बॉर्बनइट चैलेंज 2.0, रेसिपी एवं इमेज जनरेशन के लिए गूगल जेमिनाई द्वारा पावर्ड है, इसमें शेफ पूजा ढींगरा के एआई अवतार वॉइस के लिए इलेवनलैब्स का इस्तेमाल किया गया है, जो इस प्लेटफॉर्म को इंटरैक्टिव एवं वॉइस-फर्स्ट रेसिपी असिस्टेंट में बदल देता है। बॉर्बनपैक या क्यूआर कोड को स्कैन कर यूजर सात भाषाओं: हिंदी, तमिल, तेलुगु, बंगाली, मराठी, गुजराती एवं कन्नड में से अपनी पसंद की भाषा चुन सकते हैं और सीधे अपने रेसिपी आइडिया बोल सकते हैं। सिस्टम तुरंत उनके इनपुट को समझ जाता है और इन्हें रेसिपी के आइडिया में बदल देता है, इन्ग्रीडिएंट्स का सुझाव एवं स्टेप-बाय-स्टेप मार्गदर्शन देकर इसे पूरा करता है।

महाराजगंज में अस्पताल प्रशासन लापरवाह

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडलीय अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन नहीं है। मरीजों को बाहर से 600 से 800 खर्च कर कराना पड़ रहा है। अनुमंडल क्षेत्र के प्रखंडों से आने वाली गर्भवती महिलाओं को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। प्रतिदिन दर्जनों से अधिक गर्भवती महिलाएं अस्पताल में रूटीन जांच के लिए आती हैं। चिकित्सक उनके स्वास्थ्य की जांच के बाद अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह तो देते हैं, लेकिन मशीन नहीं होने के कारण महिलाओं को निजी क्लीनिकों में जाना पड़ता है, जहां पर 600 से 800 रुपये तक खर्च करना पड़ता है। गरीब तबके की महिलाओं के लिए यह आर्थिक बोझ काफी भारी साबित हो रहा है। अस्पताल में अन्य जांच और दवाएं तो मिल जाती हैं, लेकिन अल्ट्रासाउंड की सुविधा वर्षों से नदारद है। महिला डॉक्टर उपलब्ध हैं लेकिन अल्ट्रा साउंड नहीं रहने के कारण मरीजों को बाहर के दुकानों पर अल्ट्रासाउंड कराना पड़ता है। मरीजों का कहना है कि विभाग केवल आश्वासन देता रहा है कि बहुत जल्द अल्ट्रासाउंड महाराजगंज अनुमंडल अस्पताल में लग जाएगा, लेकिन अब तक इस अनुमंडल अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन नहीं लगी है। इस संबंध में अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. एस एस कुमार ने बताया कि अल्ट्रासाउंड के लिए विभाग को लिखा गया है जब उपलब्ध हो जाएगा अस्पताल में लगा दिया जाएगा।

हार्ट अटैक, ब्रेन हेमरेज और पैरालिसिस के मरीजों की संख्या में 20% से अधिक का हुआ इजाफा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज इस साल अक्टूबर माह के शुरू व अंत में रिकॉर्ड बारिश के बाद सर्दी भी जमकर पड़ने की संभावना है।

पिछले साल के मुकाबले इस साल ठंडी कुछ अधिक है। जिसका असर नवंबर के पहले सप्ताह से ही देखने को मिल रहा है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में काफी कमी आई है। कुहासा के कारण विजिबिलिटी भी कम हुई है। वही ओस भी अत्यधिक गिर रही है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री व न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेंटीग्रेड रिकार्ड किया गया। जबकि एक सप्ताह पहले अधिकतम तापमान 36 व न्यूनतम तापमान 24 डिग्री के करीब था। रात में एकाएक ठंड पड़ने से मनुष्य के शरीर को एडॉप्ट करने में परेशानी हो रही है। जिसके कारण सर्दी, जुकाम, वायरल फीवर, न्यूमोनिया, कोल्ड डायरिया के मरीज तो बढ़े ही है। सबसे ज्यादा हार्ट अटैक, ब्रेन हेमरेज व पैरालिसिस का अटैक हो रहा है। विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. एस एस कुमार ने बताया कि ठंड बडी है। लेकिन, इस बार दो-चार दिनों में ही अधिकतम व न्यूनतम तापमान में काफी कमी आ गई है। जिसके कारण हार्ट अटैक, ब्रेन हेमरेज व पैरालिसिस के मरीजों की संख्या में 20 से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ठंड बढ़ने के साथ इसमें और बढ़ोतरी की संभावना है। ऐसे में हार्ट, सुगर, बीपी के मरीजों, बड़े बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं व बच्चों को विशेष रूप से सावधानी बरतनी चाहिए।

गांधीवादी विभूतियों को सम्मानित करने के लिए 13 नवंबर को होगा 47वें जमनालाल बजाज पुरस्कार का आयोजन

मुंबई। देश व दुनिया में अत्यंत प्रतिष्ठित, जमनालाल बजाज फाउंडेशन पुरस्कार के 47वें संस्करण का आयोजन आगामी 13 नवंबर, 2025 को किया जाएगा। इस पुरस्कार के माध्यम से उन लोगों को सम्मानित किया जाएगा, जिनके कार्य गांधीवादी आदर्शों और मानवता की सेवा की मिसाल पेश करते हैं। साथ ही, यह पुरस्कार श्री जमनालाल बजाज के गांधीवादी रचनात्मक कार्यक्रमों में दिए गए योगदान को भी आगे बढ़ाता है, जिन्हें महात्मा गांधी ने अपने पाँचवें पुत्र के रूप में गोद लिया था। श्री जमनालाल बजाज की याद में शुरू किए गए ये पुरस्कार समुदायों के उत्थान और समाज में बदलाव को बढ़ावा देने वाले कार्यों को दुनिया के सामने लाते हैं। इस साल के समारोह में परम पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी महाराज मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। मुंबई में आयोजित एक विशेष समारोह में सभी प्रतिष्ठित विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता जमनालाल बजाज फाउंडेशन के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के अध्यक्ष, शेखर बजाज; फाउंडेशन के ट्रस्टी एवं नोबेल पुरस्कार विजेता,कैलाश सत्यार्थी, और; फाउंडेशन के ट्रस्टी एवं सलाहकार परिषद के अध्यक्ष, डॉ. आर. ए. माशेलकर, एफआरएस करेंगे। यह वर्ष का समारोह स्मरण का क्षण भी है, क्योंकि यह फाउंडेशन के ट्रस्टी, दिवंगत श्री मधुर बजाज की उपस्थिति के बिना आयोजित होने वाला पहला पुरस्कार समारोह है, जिनका निधन इसी साल अप्रैल में हुआ। फाउंडेशन के आदर्शों के प्रति उनका अटूट समर्पण आने वाले समय में भी फाउंडेशन का मार्गदर्शन करता रहेगा। स्थापना के बाद से अब तक, फाउंडेशन को भारत के 25 राज्यों एवं 2 केंद्र शासित प्रदेशों सहित 70 देशों से 7800 नामांकनों की जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। आज की तारीख तक, फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय श्रेणी में 143 व्यक्तियों और अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी में 37 व्यक्तियों को जमनालाल बजाज पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। समाज, ग्रामीण समुदाय और कुल मिलाकर पूरे देश के उत्थान एवं उन्नति में बेमिसाल योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने और प्रेरित करने के उद्देश्य से यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है। सभी पुरस्कार विजेताओं को एक प्रशस्ति-पत्र, एक ट्रॉफी और 20,00,000/- रुपये (अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए विदेशी मुद्रा में इसके बराबर की राशि) के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

सांसद खेल महोत्सव पालकमंत्री गणेश नाईक की उपस्थिती में संपन्न

वसई रोड। आर्यन हाई स्कूल ग्राउंड, पालघर मे फिट इंडिया, खेलो इंडियाऱ अभियान की प्रेरणा से युवाओं में खेल प्रेम, स्वास्थ्य और टीम भावना को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित सांसद खेल महोत्सव 2025 पूरे उत्साह, आशा और जोश के साथ संपन्न हुआ। आर्यन हाई स्कूल ग्राउंड में पूरे सप्ताह विभिन्न खेलों के रोमांचक मुकाबले हुए. सैकड़ों खिलाड़ियों ने शानदार टीम भावना, दृढ़ संकल्प और ईमानदारी का परिचय दिया। प्रत्येक खिलाड़ी ने अपनी कड़ी मेहनत और अनुशासन से समाज को यह संदेश दिया कि असली विजेता वही है जो पूरे मन से खेलता है। इस भव्य महोत्सव का विदाई समारोह गणेश नाइक (वन मंत्री एवं पालकमंत्री, पालघर जिला) की उपस्थिति में बड़े धूमधाम से पालघर सांसद डॉक्टर हेमंत सागर द्वारा आयोजित किया गया। गणेश नाईक की उपस्थिति ने पूरे वातावरण में नई ऊर्जा का संचार कर दिया। एथलीटों की सफलता, उत्साह और अनुभव ने इस महोत्सव को सचमुच ऱयुवा शक्ति का महोत्सवऱ बना दिया। इस प्रतियोगिता के आयोजन में प्रत्येक स्वयंसेवक का प्रयास, प्रबंधन और योगदान उल्लेखनीय रहा। पालघर जिले के एथलीटों को एक मंच प्रदान करने और खेलों के माध्यम से नई पीढ़ी को एकता और स्वास्थ्य का संदेश देने वाली इस पहल ने समाज में दीर्घकालिक प्रभाव डाला है। संसद खेल महोत्सव 2025 - एथलीटों की कड़ी मेहनत का सम्मान, युवाओं के उत्साह का गौरव और एक स्वस्थ भारत की ओर अग्रसर बना।

किसानों की पहली पसंद बनी नई श्रीराम सुपर बीज

भागलपुर : गेहूं की खेती में श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स द्वारा विकसित 'श्रीराम सुपर 5-एसआर-05' और 'श्रीराम सुपर 303' बीज किसानों के बीच लोकप्रिय हो गए हैं। इन उन्नत किस्मों ने उच्च उपज, रोग प्रतिरोधक क्षमता और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में अनुकूलता के कारण किसानों का भरोसा जीता है। भागलपुर के किसानों ने बताया कि श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 की बुवाई से मजबूत तना और अधिक कल्ले वाली फसल मिली, जबकि श्रीराम सुपर 303 से उन्हें प्रति एकड़ 20झ्र22 क्विंटल उपज और अतिरिक्त मुनाफा हुआ। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स, 135 साल पुरानी डीसीएम श्रीराम लिमिटेड का हिस्सा, भारतीय किसानों की आय

वरुणा तट का शास्त्री घाट हजारों दीयों से हुआ रोशन

वाराणसी। आस्था, संस्कृति और परंपरा के महापर्व कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली के पावन अवसर पर लोक चेतना संस्था द्वारा वरुणा तट के शास्त्री घाट पर 4 हजार दीये जलाए गए। दीये जलने से पूरा घाट रोशन हो गया। दूर-दूर तक सिर्फ दिये ही दिये दिखाई दे रहे थे, ऐसा लग रहा था जैसे देव दीपावली पर भगवान साक्षात भगवान धरती पर उतर आए हो।

यह आयोजन लोक चेतना संस्था की ओर से किया गया था। सायं 4 बजे से ही लोक चेतना के पदाधिकारी तैयारियों में जुट गए। मीडिया प्रभारी कृष्णा सिंह एवं आलोक यादव भीम द्वारा दीए को अच्छी तरह धोकर साफ किया गया। प्रदेश संगठन मंत्री निशांत बरनवाल के नेतृत्व में पदाधिकारियों एवं छोटे-छोटे बच्चों ने शास्त्री घाट पर एवं सीढ़ियों पर एक-एक करके दिये रखे। सनबीम वरुणा के हॉस्टल के बच्चे और देव दीपावली देखने आए महिला, पुरुष और बच्चों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर दिये जला।

लोक चेतना संस्था के अध्यक्ष के नेतृत्व में दो बटुक महाराज द्वारा आरती का शुभारंभ किया गया। आरती देख घाट पर बैठे मौजूद लोग मंत्रमुग्ध हो गए। लोक चेतना जिलाध्यक्ष विनय गुप्ता की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। डॉ. छोटे लाल सिंह, सोनभद्र के कवि और आकाश मिजार्पुरी की कविताओं पर लोगों ने जमकर आनंद उठाया। निशांत बरनवाल सहित पदाधिकारियों ने वाराणसी कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्र का लोक चेतना के मंच पर माला पहनाकर स्वागत किया। संस्था के सभी पदाधिकारियों ने सीवर मल-जल की गंदगी झेल रही वरुणा को स्वच्छ करने का दृढ़ संकल्प लिया। संस्थाध्यक्ष ने कहा इसको लेकर हम लोग बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। दूषित जल के कारण ऑक्सीजन की कमी से मछलियां तड़प कर मर रही हैं। वरुणा को स्वच्छ बनाना है। घाट पर विदेशी पर्यटक भी कैमरे में तस्वीरें कैद करते नजर आए। इस अवसर पर लोक चेतना अध्यक्ष केके उपाध्याय, प्रदेश संगठन मंत्री निशांत बरनवाल, मीडिया प्रभारी जौनपुर कृष्णा सिंह, प्रधान सचिव कैलाश सिंह, कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्र, आलोक यादव भीम, विनय गुप्ता, अरविंद विश्वकर्मा सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

घर में लगी भीषण आग, भैंस झुलसी उसके बच्चे की मौत, जिला प्रशासन से आर्थिक सहयोग की गुहार

-नान बाबू चौहान

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद बलरामपुर, विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत गांव करमहना में गत 14 अक्टूबर सोमवार देर रात करीब 10 बजे एक घर में भीषण आग लग गई। इस हादसे में घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। आग में एक भैंस गंभीर रूप से झुलस गई जबकि उसकी बछिया (बछड़ा) की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। पीड़िता मंजू देवी, जो रामनरेश कोरी की पुत्री हैं, अपने पिता की संपत्ति पर अपने परिजनों के साथ रह रही थीं। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे। बताया जा रहा है कि आग चूल्हे की जग्गी (चिंगारी) से लगी, जो धीरे-धीरे पूरे घर में फैल गई। गहरी नींद के कारण परिवार को आग लगने की जानकारी देर से हुई। किसी तरह मंजू देवी ने अपने परिजनों को बाहर निकालकर जान बचाई, लेकिन घर में रखा खाद्य सामग्री, कपड़े, व पंपीसेट का तेल सब जलकर राख हो गया। तेल के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। ग्रामीणों के प्रयास से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था। हादसे में पशुधन हानि के साथ परिवार पूरी तरह से बेघर हो गया है। स्थानीय प्रशासन से मदद की गुहार लगाई जा रही है।

वाक्य पुनरावृत्ति प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया अद्भुत कौशल

उदयपुरवाटी((उत्तरशक्ति)। जमात रोड स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में आज एक अनूठी वाक्य पुनरावृत्ति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी एकाग्रता, स्मरणशक्ति और भाषाई प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य श्यामलाल खटीक ने की। इस विशेष प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अनुप्रास छंद के वाक्य लगातार पाँच बार दोहराकर अपनी कुशाग्र बुद्धिमत्ता का परिचय दिया। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. राजेन्द्र कुमावत ने विजेता विद्यार्थियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। विजेता छात्र-छात्राएं: पीयूष, हरिराम सैनी, फातिमा बानो, गुंजन कुमावत, सोनू सैनी एवं पूजा तुनगरिया। डॉ. कुमावत ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों में ध्यान,भाषा और प्रस्तुतीकरण क्षमता को विकसित करती हैं। उन्होंने सभी छात्रों को भविष्य की गतिविधियों में और बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर शिक्षिकाएं चंद्रकला, रीना,मंजू सुमन, अनीता और सोनू सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

जौनपुर के दो रत्नों को मोहम्मद हसन कॉलेज में दी गई श्रद्धांजलि

अजय कुमार और डॉ. पी.सी. विश्वकर्मा की स्मृति में भावपूर्ण कार्यक्रम, साहित्यकारों ने दी काव्यांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज में शुक्रवार को महाविद्यालय के भाषा विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में जनपद की दो महान विभूतियों हिन्दी साहित्य के प्रख्यात कवि, चित्रकार एवं हिंदी भवन के भूतपूर्व अध्यक्ष अजय कुमार तथा जनपद के सुप्रसिद्ध विधिवेत्ता एवं वरिष्ठ उर्दू गजलकार डॉ. पी.सी. विश्वकर्मा की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने दोनों विभूतियों के योगदान को जौनपुर के सांस्कृतिक और बौद्धिक इतिहास में अमूल्य बताया। उन्होंने कहा, आज की युवा पीढ़ी को ऐसे महान व्यक्तित्वों के जीवन और विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए। जिस सहजता, विनम्रता और गहन ज्ञान का परिचय इन विभूतियों ने दिया, वह अनुकरणीय है। प्राचार्य द्वारा श्रद्धांजलि स्वरूप अजय कुमार के पुत्र अपल कुमार तथा डॉ. पी.सी. विश्वकर्मा के पुत्र प्रमोद कुमार को अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. धीरेन्द्र पटेल ने दोनों महानुभावों के साहित्यिक, सामाजिक एवं बौद्धिक योगदान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इबरत मछलीशहरी ने इस आयोजन को भव्य, ऐतिहासिक एवं प्रेरणास्पद बताया और कहा कि साहित्यकारों को स्मरण करने की यह पहल महाविद्यालय की एक सशक्त परंपरा का परिचायक है। श्रद्धांजलि स्वरूप आयोजित कवि-सम्मेलन में सभाजीत द्विवेदी प्रखर, विभा तिवारी, अमृत प्रकाश एवं अंसार जौनपुरी ने अपनी भावपूर्ण रचनाएँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम में डॉ. निलेश सिंह, डॉ. ममता सिंह, जीवन यादव, डॉ. सतीश दुबे, डॉ. विवेक विक्रम सिंह, राजन पाण्डेय सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अजय विक्रम सिंह एवं सुमित सिंह ने संयुक्त रूप से किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन इंद्रमणि दूबे द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी के द्वारा केराकत में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत हो रहे कार्यो का किया गया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा विधानसभा क्षेत्र 372-केराकत में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत हो रहे कार्यो का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र संख्या 1-इटैली तथा मतदान केंद्र संख्या 13-गद्दीपुर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। उन्होंने बीएलओ द्वारा सूचना प्रपत्र के वितरण के कार्यो का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित बीएलओ उमाकांत मौर्य एवं जितेन्द्र कुमार के अभिलेखों का परीक्षण किया गया तथा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 (र.कफ) की प्रगति के संबंध में मतदाताओं से वार्ता की गई। निरीक्षण में पाया गया कि बूथ संख्या 1 (इटैली) के बीएलओ द्वारा अब तक 92 एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं, जो बीएलओ ऐप पर प्रदर्शित कर दिए गए हैं। बूथ संख्या 13 (गद्दीपुर) के बीएलओ द्वारा 95 एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित कर ऐप पर अपलोड किए जा चुके हैं। इस दौरान मतदाता सीमा देवी ने बताया कि उनके परिवार के चार सदस्यों को एन्यूमरेशन फॉर्म प्राप्त हुए हैं। फॉर्म भरने की प्रक्रिया को जिलाधिकारी ने स्वयं समझाया। बीएलओ द्वारा मतदाता सूची पर गणना प्रपत्र की प्राप्ति के उपरांत प्राप्तकताओं से हस्ताक्षर भी कराए गए हैं। निरीक्षण में कार्य की प्रगति संतोषजनक पायी गई। जिलाधिकारी द्वारा ईआरओ केराकत को निर्देशित किया गया कि सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर को और अधिक गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि कार्य की गुणवत्ता और दक्षता में और सुधार हो सके। साथ ही, उन्होंने सभी राजनैतिक दलों एवं मतदाताओं से अपील की कि वे इस निर्वाचन कार्य को सकारात्मक दृष्टिकोण से लेते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान करें, जिससे मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाया जा सके। इस अवसर पर ईआरओ केराकत शैलेन्द्र कुमार, बीडीओ अस्मिता सेन सहित अन्य उपस्थित रहे।

जोमैटो और ब्लिंकिट ने डिलीवरी पार्टनरों को सरकारी कल्याण योजनाओं तक पहुँच दिलाने के लिए राष्ट्रीय अभियान की शुरूआत

मुंबई। ईटरनल की कंपनियों - जोमैटो, भारत का फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी प्लेटफॉर्म, और ब्लिंकिट, एक क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म, ने हकदारशक के सहयोग से बेंगलुरु में सरकारी योजना सुविधा शिविर की श्रृंखला का पहला आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य डिलीवरी पार्टनरों को केंद्र और राज्य सरकार की महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच प्रदान करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक सरकार के अतिरिक्त श्रम आयुक्त, डॉ. जी मंजीनाथ मौजूद रहे। अप्रैल 2025 में लॉन्च के बाद से, इस पहल ने पूरे भारत में 6,000 से अधिक डिलीवरी पार्टनरों को विभिन्न सरकारी योजनाओं में पंजीकरण कराते हुए उन्हें 150 करोड़ रुपये से अधिक लाभ पाने में सक्षम बनाया है। बेंगलुरु शिविर में 280+ अतिरिक्त डिलीवरी पार्टनरों ने केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रासंगिक योजनाओं के लिए नामांकन किया, जिससे बेंगलुरु के पंजीकृत पार्टनरों की संख्या बढ़कर 1,000 से अधिक हो गई। आने वाले कुछ हफ़्तों में, जोमैटो और ब्लिंकिट हकदारशक के साथ मिलकर मुंबई, पुणे और दिल्ली में सरकारी योजना सुविधा शिविर आयोजित करेंगे। यह पहल ईटरनल के उन व्यापक कल्याणकारी कार्यक्रमों का हिस्सा है, जो डिलीवरी पार्टनरों की भलाई को प्राथमिकता देते हैं और जिनमें 800 से अधिक शहरों में 24/7 एसओएस एम्बुलेंस सहायता, दुर्घटना बीमा तथा आयकर फाइलिंग में सहायता जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पात्र महिला डिलीवरी पार्टनरों को मातृत्व लाभ भी मिलते हैं। डिलीवरी पार्टनर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (स्वास्थ्य बीमा), राशन कार्ड, ई-श्रम (असंगठित श्रमिकों का केंद्रीकृत डेटाबेस), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (जीवन बीमा), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा) और कर्नाटक राज्य गिग वर्कर्स बीमा योजना जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं में बढ़ती रुचि दिखा रहे हैं। अधिकाधिक पार्टनर, स्वास्थ्य बीमा, व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा और जीवन बीमा को एक साथ चुनकर बहु-स्तरीय सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं।

लोकाधिकार सेवा समिति ने 4618 लोगों का निः शुल्क नेत्र परीक्षण कर चश्मा वितरित किया

4618 से अधिक लाभार्थी हुए लाभान्वित

-आदेश मिश्र

सुलतानपुर। समाजसेवा के पुरोधा स्वर्गीय चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया द्वारा प्रारंभ की गई सेवा परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लोकाधिकार सेवा समिति ने सेवा के 21वें वर्ष में शुक्रवार को सुलतानपुर स्थित कमला हॉस्पिटल, जयसिंहपुर रोड, बरौंसा में निः शुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के संस्थापक व महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित दिवंगत चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ किया गया। इसके उपरांत लगभग 4618 से अधिक जरूरतमंद लाभार्थियों का नेत्र परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क चश्मा वितरित किया गया। चश्मा प्राप्त कर लाभार्थियों ने समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश जी एवं विशिष्ट अतिथि महंत कपाली महाराज, विधायक राजप्रसाद उपाध्याय, जयसिंहपुर तहसीलदार मयंक मिश्रा, नायब तहसीलदार रूबी यादव, डॉ. डी.एस. मिश्रा, सीएमएस डॉ. आर.के. मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता रूपेश सिंह और मोतिगरपुर प्रमुख चंद्रप्रताप सिंह, जयसिंहपुर बीडीओ एस.एन. चतुर्वेदी, मीडिया प्रभारी अरुण द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर आर.के. चतुर्वेदी, कोतवाल जयसिंहपुर सतेंद्र सिंह, कोतवाल मोतिगरपुर ए.के. सिंह, भाजपा नेता सभाजीत पांडेय, मंडल अध्यक्ष रोहित पांडेय, आलोक इंफ्रा के आलोक त्रिपाठी, विजय पांडेय, गणपत सहाय पीजी कॉलेज के राजकुमार पांडेय तथा किन्नर कल्याण बोर्ड सदस्य काजल किन्नर आदि गणमान्य व्यक्तियों के कर कमलों द्वारा संयुक्त रूप से शुभारंभ किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत साल, स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छ एवं संकल्प पत्रिका भेंटकर किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन आयोजक समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया एवं जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ. सी.बी. शुक्ल, जयसिंहपुर बार एसोसिएशन अध्यक्ष रविशंकर मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष एड. विजयशंकर शुक्ल, सचिव वीरेंद्र वर्मा, एड. संतोष मिश्रा, संदीप शुक्ल, देवानंद पांडेय, श्यामलाल गुप्ता, प्रेमशंकर पांडेय, कादीपुर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष दिनेश प्रताप शुक्ल, अरविंद तिवारी पप्पू, प्रधान प्र.रमन सिंह, आनंद तिवारी, प्रधान राधेश्याम वर्मा, बृजेश यादव, हरिशंकर वर्मा, रामजीत पाल, पूर्व प्रधान बबलू मिश्रा, सुरेंद्र यादव, प्रधान राजू वर्मा, सुनील कसौधन, बलराम जोरिया, विपिन दुबे, टी.ए. भूपेंद्र सिंह, जे.ई. राजकिशोर सिंह, शिवकुमार सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, शिक्षाविद, पत्रकार बंधु एवं प्रशासनिक अधिकारी एवं समस्त प्रधान,क्षेत्र पंचायत सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया, ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल,बीसीसी संदीप दुबे, संजीत सिंह, नवीन सिंह,अनिल सिंह,प्रधान राजेंद्र सिंह,आचार्य नीरज मिश्रा,विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन एवं पत्रकार आदेश मिश्र, दीपक शुक्ल तथा अनेक कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया।

भारत-पाकिस्तान जूनियर हॉकी मैच में जीती खेल भावना, खिलाड़ियों ने मैच के बाद किया हाई-फाइव

नईदिल्ली। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए जूनियर हॉकी मुकाबले ने खेल भावना का एक अलग ही उदाहरण पेश किया है। जहां पिछले कुछ समय से दोनों देशों की क्रिकेट टीमों के बीच हाथ मिलाने को लेकर विवाद की स्थिति बनी रही, वहीं हॉकी खिलाड़ियों ने एक अलग रास्ता चुना है। बता दें कि सुल्तान ऑफ जौहोर कप में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में खिलाड़ियों ने मैच के बाद एक-दूसरे से हाई-फाइव किया, जो खेल प्रेमियों के लिए एक सकारात्मक दृश्य रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार यह मुकाबला 3-3 की बराबरी पर समाप्त हुआ था, लेकिन खिलाड़ियों की खेल भावना ने सबका दिल जीत लिया। भारतीय मिडफील्डर रोशन कुजुर ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा कि ह्लहमारे लिए यह सिर्फ एक खेल था, दुश्मनी नहीं। हमें किसी ने हाथ मिलाने से मना नहीं किया था। हम सभी खिलाड़ी मेहनत और समर्पण के साथ खेलते हैं, इसलिए हमने हाई-फाइव किया। वहीं टीम के डिफेंडर सुनील पीबी ने बताया कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच हमेशा दबाव वाला होता है। हार का सवाल ही नहीं उठता, लेकिन उस दिन मुकाबला बराबरी पर खत्म हुआ। फिर भी, यह एक शानदार मैच रहा। गौरतलब है कि भारत ने इस टूनामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-1 के अंतर से हारकर रजत पदक जीता है। यह पिछले संस्करण के कांस्य पदक से एक कदम आगे की उपलब्धि मानी जा रही है। बता दें कि रोशन कुजुर और सुनील पीबी अब हॉकी इंडिया लीग में वेदांता कलिंगा लांसर टीम की ओर से खेलते नजर आएंगे। कुजुर पहले से टीम का हिस्सा हैं, जबकि सुनील हाल ही में मिनी ऑक्शन में टीम से जुड़े हैं। दोनों खिलाड़ियों का कहना है कि वे आने वाले सीजन में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया है कि भले ही मैदान पर भारत-पाकिस्तान के बीच प्रतिद्वंद्विता हमेशा तीखी रहती है, लेकिन खेल भावना और आपसी सम्मान अभी भी कायम हैं।

नवकुंभ साहित्य सेवा संस्थान ने भारतीय परंपरा की ज्योति जलाई

मुंबई। साहित्यिक,सामाजिक एवं सांस्कृतिक राष्ट्रीय संस्था नव कुंभ साहित्य सेवा संस्थान ने हिन्दी,उर्दू एवं संस्कृति के सम्मान तथा साहित्य के मार्ग को प्रशस्त करने हेतु आधुनिक के साथ मध्यकालीन परंपरा,प्राचीन काल की परंपरा,नयी कविता युग जैसे भारतीय साहित्यिक परंपरा को आगे ले जाने का कार्य किया है। संस्थान प्रति दिन शब्द,चित्र, छंदबद्ध,स्वतंत्र लेखन कार्यशाला के साथ साप्ताहिक कविगोष्ठी रखकर साहित्यकारों का मनोबल बढ़ा रही है। संस्था के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी विनय शर्मा दीप ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार राही उक्त सभी कार्यक्रमों का निरीक्षण करते हैं तथा अन्य सभी पदाधिकारी गतिविधियों को चलाने का कार्य करते हैं।उसी कड़ी में विगत अक्टूबर 2025 की गतिविधियों में गांधी जयंती,सरदार वल्लभ भाई पटेल,दीपावली,छठ्ठ पूजा,कार्तिक पूर्णिमा, तुलसी विवाह, एकादशी जैसे पर्व को साहित्यकारों की उपस्थिति में काव्यांजलि के रुप में मनाया। उक्त कार्यक्रम का संचालन प्रीतम श्रावस्तवी एवं सीमा नयन ने किया। साहित्यकारों में ताज मोहम्मद सिद्दीकी मुंबई, राज द्विवेदी राज मैहर मध्यप्रदेश, संजय तिवारी वाराणसी, संदीपिका दीक्षित लखनऊ, मनोहर सिंह चौहान मधुकर मध्यप्रदेश, गोपाल श्रीवास्तव साहिबगंज झारखंड, डॉ सरिता गर्ग गाजियाबाद एवं डॉ संगीता तिवारी पुणे महाराष्ट्र मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बच्चों की प्रगति देखकर प्रसन्न हुए अभिभावक
अल-फारूक पब्लिक स्कूल में टर्म-1 परीक्षा उपरांत अभिभावक-शिक्षक बैठक संपन्न

सुईथाकलाँ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कादीपुर क्षेत्र के अल-फारूक पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को टर्म-एक परीक्षा के उपरांत अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में उत्साहपूर्ण वातावरण रहा। अभिभावकों ने विद्यालय पहुँचकर अपने नौनिहालों की प्रगति रिपोर्ट का अवलोकन किया तथा कक्षा अध्यापकों एवं विषय शिक्षकों से संवाद स्थापित कर विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, व्यवहारिक सुधार एवं अध्ययन की आदतों पर चर्चा की। प्रधानाचार्य वसीम अहमद खान ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी की प्रगति तभी सुनिश्चित हो सकती है जब विद्यालय और अभिभावक परस्पर सहयोग की भावना से कार्य करें। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों के भीतर अनुशासन, आत्मविश्वास तथा अध्ययन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना हम सबकी साझा ज़िम्मेदारी है। बैठक के दौरान सभी शिक्षकझशिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं। उन्होंने प्रत्येक अभिभावक को विद्यार्थियों की शैक्षणिक स्थिति से अवगत कराया तथा आवश्यक सुधारात्मक सुझाव साझा किए। अभिभावकों ने विद्यालय की शिक्षण पद्धति, अनुशासन व्यवस्था एवं नियमित मूल्यांकन प्रणाली की सराहना करते हुए विद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्य ने सभी शिक्षकों और अभिभावकों को इस सार्थक आयोजन को सफल बनाने हेतु धन्यवाद देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

नवघर थान पुलिस ने चोरी आभूषण और 03 मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर नवघर पुलिस स्टेशन गु, संख्या 495/2025 आईपीसी 2023 धारा 331(4), 305 के तहत मामला दर्ज किया गया था। उक्त अपराध में शिकायतकर्ता, छोलेलाल रामेश्वर महतो, उम्र-36 वर्ष, गाला नंबर 04 न्यू आराधना एस्टेट, नवघर रोड, भायंदर पूर्व, ठाणे के निवासी ने शिकायत दर्ज कराई कि 19/10/2025 को लगभग 05:00 बजे, शिकायतकर्ता के गाला नंबर -04, न्यू आराधना एस्टेट, नवघर रोड, भायंदर पूर्व, ठाणे। ठाणे में, एक अज्ञात व्यक्ति ने किसी चीज की मदद से एक घर का शटर खोल दिया और घर में प्रवेश किया। शिकायतकर्ता के घर में रखे बैग से कुल 4,32,000/- रुपये मूल्य के सोने के गहने, एक मोबाइल फोन और नकदी चोरी हो गए। शिकायतकर्ता द्वारा 19/10/2025 को दर्ज की गई शिकायत पर उपरोक्त अनुसार अपराध दर्ज किया गया था, जिसमें शिकायतकर्ता को अपने लाभ के लिए धोखा देने के इरादे से घर में चोरी और सेंधमारी की गई थी। चूंकि अपराध रात में सेंधमारी और चोरी का एक गंभीर अपराध था, इसलिए जांच के दौरान पाया गया कि अपराध प्रेमचंद चौधरी नामक आरोपी द्वारा किया गया था, जो नवघर पुलिस स्टेशन में दर्ज है। आरोपी नियमित रूप से इसी तरह के अपराध करता है और मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करता है और चूंकि उसका कोई निवास स्थान नहीं है, इसलिए उसका पता लगाना संभव नहीं था। आरोपी द्वारा चुराए गए मोबाइल फोन का तकनीकी विश्लेषण करने के बाद, उसे यसाई, कामन, भिवंडी और काशीमीरा इलाकों में खोजा गया। आरोपी प्रेमचंद रामदुलारे चौधरी, उम्र-31, निवासी नेहरूनगर, गणेश मंदिर वाली गली में, भायंदर पुलिस स्टेशन के पीछे, भायंदर पश्चिम, ठाणे और जीसीसी क्लब, मीरा रोड पूर्व, ठाणे को हिरासत में ले लिया गया है। चूंकि आरोपी को अपराध में शामिल पाया गया था, इसलिए उसे 30/10/2025 को अपराध में गिरफ्तार कर लिया गया है। ए शिकायतकर्ता के कब्जे से चोरी की गई संपत्ति में 2,25,000/- रुपये मूल्य के सोने के आभूषण और 03 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। अपराध की जांच पुउनि संपत अहेर द्वारा की जा रही है। इस मामले में गिरफ्तार आरोपी एक सजायाफ्ता अपराधी है और उसके खिलाफ चोरी/सेंधमारी के निम्नलिखित मामले दर्ज हैं।

नवघर पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर नवघर पुलिस ने 24,600 रुपये मूल्य की 1640 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) और 3,30,000 रुपये मूल्य की 66 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) जब्त किया। 4 नवंबर को बी.पी. रोड, विनीशा होटल की गली में, पेपर शेड के पीछे, भायंदर पू तालुका, ठाणे, आरोपी 1 गुलजार मुबारक खान, 27 वर्ष, 2 गौरे संभाजी सूर्यवंशी, 27 वर्ष, और 3 रशीद रहमदुल्लाह अंसारी, 26 वर्ष, के पास से 1640 ग्राम वजनी भांग नामक एक तेज गंध वाला नशीला पदार्थ मिला जिसकी कीमत 24,600/- रुपये अवैध बिक्री के लिए थी। उन पर छापा मारा गया और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई क्योंकि उन्हें यह नशीला पदार्थ मुन्ना ने दिया था, जिसका पूरा नाम और पता ज्ञात नहीं है। उनके खिलाफ छापेमारी की गई और नवघर पुलिस स्टेशन द्वारा उनके खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 की धारा 8(ए), 20(बी)(ii), गिरफ्तार अभियुक्त को दिनांक 05/11/2025 को गिरफ्तार कर उक्त प्रकरण में माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। माननीय न्यायालय ने दिनांक 07/11/2025 को गिरफ्तार अभियुक्त को पवेटो पुलिस हिरासत में रिमांड स्वीकृत किया था। पुलिस हिरासत में अभियुक्त से पूछताछ के दौरान, दो अधिकारियों की उपस्थिति में घर की तलाशी ली गई और अभियुक्त क्रमांक 01 गुलजार मुबारक खान के घर से 66 ग्राम वजन और 3,30,000 रुपये मूल्य की मादक दवा, मेफेड्रोन (एम.डी.) जब्त की गई। उक्त प्रकरण की आगे की जाँच पुउनि संदीप वास्कोटी द्वारा की जा रही है। उपरोक्त कार्य. निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोईफोडे, पुलिस उपायुक्त, जोन-01 सोहेल शेख, छठे पुलिस आयुक्त, नवघर डिवीजन, धीरज कोली, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, नवघर पुलिस स्टेशन, पी.एन. दत्तात्रेय डूम (अपराध), सपोनी अमोल तालेकर, पौनी संपत अहेर, पौनी संदीप वास्कोटी, पोहवा संतोष पाटिल, पोहवा व्हानमारे, पोहवा भूषण पाटिल, पोहया सुरेश चव्हाण, पोहया ओमकार यादव, पोहया कटकर, पोहवा सूरज सिंह घुनावत, पोहवा नवनाथ पवार, पोहवा अक्षय पोवार, पोसी उमेश असवर और मासूब कुणाल हिवाले ने। कारवाई किया।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड के राजस्व में वृद्धि

मुंबई। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के लिए अपने परिणामों की घोषणा की, जो एक विशेष ग्लास-लाइन्ड उपकरण निमार्ता से ग्लोबल फार्मास्युटिकल, केमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, फूड एंड बेवरेज पदार्थ, और प्रोसेस इंडस्ट्रीज की सेवा करने वाले हाई-प्रिसिशन इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी सलूशन लीडर के रूप में इसके विकास में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

मारवाड़ी यूनिवर्सिटी की ऐतिहासिक उपलब्धि

मुंबई। गुजरात की अग्रणी निजी संस्था मारवाड़ी यूनिवर्सिटी ने इतिहास रच दिया है। विश्वविद्यालय ने क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026 में अपनी पहली ही प्रविष्टि में एशिया स्तर पर 353वां स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि मारवाड़ी यूनिवर्सिटी को भारत की शीर्ष निजी विश्वविद्यालयों में शामिल करती है और किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय की अब तक की सबसे ऊँची पहली रैंकिंग है।

इस उपलब्धि के साथ, मारवाड़ी यूनिवर्सिटी को अब गुजरात की नंबर 1 निजी विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ है। यह इसे क्यूएस रैंकिंग्स 2026 में भारत की सर्वश्रेष्ठ निजी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में भी लाती है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्सः एशिया 2026 में शामिल यह विश्वविद्यालय एशिया की सबसे युवा निजी यूनिवर्सिटी भी है, जिसने पहली ही बार में यह मुकाम हासिल किया, जो इसकी शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान क्षमता और वैश्विक उत्कृष्टता का गौरवपूर्ण प्रमाण है।

क्यूएस क्वैक्वेरेली साइमंड्स द्वारा प्रकाशित क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स एशिया की सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन करती है। इसमें शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान और नवाचार, छात्र-शिक्षक अनुपात, प्रतिष्ठा तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे मानदंड शामिल किए जाते हैं, जो एशियाई उच्च शिक्षा के विविध आयामों को दर्शाते हैं।

मारवाड़ी यूनिवर्सिटी ने अंतरराष्ट्रीयकरण और फैकल्टी क्वालिटी के लिए एशिया में शीर्ष 100 में स्थान प्राप्त किया है, जो इसकी मजबूत वैश्विक साझेदारियों, विविध छात्र समुदाय और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। गुजरात का प्रतिनिधित्व करते हुए, विश्वविद्यालय अब एशिया की प्रतिष्ठित संस्थाओं की सूची में शामिल हो गया है, जिनमें आईआईटी गांधीनगर (रैंक 300), अहमदाबाद यूनिवर्सिटी (रैंक 851-900), पीडीईयू (रैंक 851-900), पारुल यूनिवर्सिटी (रैंक 1001-1100) और एमएस यूनिवर्सिटी (रैंक 1100-1200) जैसी संस्थाएँ सम्मिलित हैं। इस उपलब्धि के साथ, मारवाड़ी यूनिवर्सिटी क्यूएस रैंकिंग्स 2026 में शामिल गुजरात की चुनिंदा विश्वविद्यालयों में शुमार हो गई है। मारवाड़ी यूनिवर्सिटी के प्रो वाइस-चांसलर डॉ. संजीत सिंह ने कहा, ह्लक्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026 में 353वां स्थान प्राप्त करना हमारे लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। यह प्रतिष्ठित उपलब्धि हमारे छात्रों, शिक्षकों और नेतृत्व की उस सामूहिक भावना का प्रमाण है, जो निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है। पहली ही बार में इतनी ऊँची रैंक हासिल करना हमारे उस दृष्टिकोण को साकार करता है जिसके तहत हम नवाचार, समावेशन और वैश्विक सहयोग के माध्यम से शिक्षा को नए स्वरूप में ढाल रहे हैं।

दुनिया की पहली टेलीसर्जन कोंसोल एसएसआईआई मंत्रासन लॉन्च

मुंबई। आधुनिक सर्जिकल रोबोटिक टेक्नोलॉजी के डेवलपर एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल जो रोबोटिक सर्जरी को दुनिया में किफायती एवं सुलभ बनाने के लिए प्रयासरत है ने एक बार फिर से इनोवेशन की सीमाओं को पार करते हुए दुनिया के पहले टेलीसर्जन कोंसोल एसएसआईआई मंत्रासन का अनावरण किया है। मंत्रासन, दुनिया का पहला पूरी तरह से इंटीग्रेटेड, अगोनेमिक एवं पोर्टेबल टेलीसर्जरी कोंसोल है जो रिमोट प्रेसीजन के साथ रोबोटिक्स क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव है। यह दशार्ता है कि किस तरह सर्जिकल विशेषज्ञता को किसी भी विशेष सर्जन के ऑफिस से टेलीसर्जन कोंसोल के छोटे डिजाइन तक विस्तारित किया जा सकता है जिससे टेलीसर्जरी करने के लिए पूरे ऑपरेटिंग रूम को सर्जन कोंसोल से जोड़ने की जरूरत नहीं रहती। रोबोटिक टेक्नोलॉजी का यह इनोवेशन सर्जिकल केयर में महत्वपूर्ण है जिसके द्वारा विशेषज्ञ सर्जन कॉम्पैक्ट, सेल्फ-कंटेन्ड रोबोटिक सिस्टम के जरिए रिमोट से संचालन कर सकते हैं। खास बात यह है कि इसे भारत में डिजाइन एवं निर्मित किया गया है। डॉ सुधीर श्रीवास्तव, संस्थापक एवं चेयरमैन, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने बताया कि, टेली सर्जन कोंसोल के साथ हमने आधुनिक सर्जिकल केयर को सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। मंत्रासन, टीएससी के माध्यम से हम दर्शा रहे हैं कि कैसे भारतीय इनोवेशन सर्जन की विशेषज्ञता को दुनिया के किसी भी कोने में पहुंचा कर हेल्थकेयर डिलीवरी में बदलाव लाया जा सकता है। कोंसोल का साइज छोटा होने के कारण सर्जन अपने ऑफिस से ही टेलीसर्जरी को अंजाम दे सकते हैं। तो अब टेलीसर्जरी करने के लिए ऑपरेटिंग रूप या पूरे मंत्रा सिस्टम की जरूरत नहीं होगी। कोंसोल के छोटे फुटप्रिन्ट और सेल्फ-कंटेंड चेयर होने की वजह से यह बेहद फायदेमंद है जो सभी इलेक्ट्रोनिक्स चेयर में ही इनबिल्ट है। सर्जन को 3 डीव्यू वाले लाईटवेट ग्लासेज पहनने होते हैं और रोबोटिक सिस्टम को रिमोट से नियन्त्रित करने के लिए मैगनेटिक सेंसर-आधारित कंट्रोल का इस्तेमाल करना होता है। यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि टेलीसर्जरी की इस छोटी युनिट को कहीं भी रखा जा सकता है। लॉन्च के मौके पर मेडिकल एवं सर्जिकल क्षेत्र से जाने-माने विशेषज्ञ डॉ सुधीर श्रीवास्तव, संस्थापक एवं चेयरमैन, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल डॉ विश्वा श्रीवास्तव, एस्टर डीएम हेल्थकेयर, जीसीसी एंड इंडिया और डॉ वेंकटेश मुनिकृष्णन, कन्सलटेन्ट कोलोरेक्टल एंड रोबोटिक सर्जन, अपोलो हॉस्पिटल्स आदि मौजूद रहे।

शीतल देवी ने रचा इतिहास! एबल-बॉडीड टीम में चुनी जाने वाली पहली पैरा आर्चर बनीं

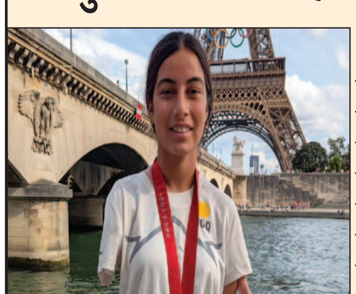

नईदिल्ली। शीतल देवी ने भारतीय खेल इतिहास में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है, जहां वह एशिया कप 2025 के लिए भारत की पहली पैरा एथलीट बन गई हैं जिन्हें एबल-बॉडीड टीम में चुना गया है। जन्म से बिना हाथों के बावजूद, जम्मू-कश्मीर की इस तीरंदाज ने राष्ट्रीय ट्रायल्स में सामान्य खिलाड़ियों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी असाधारण प्रतिभा साबित की। यह उपलब्धि भारतीय तीरंदाजी में प्रेरणा और समावेशिता की नई मिसाल पेश करती है। जम्मू-कश्मीर की पैरा-आर्चर शीतल देवी ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। जन्म से बिना हाथों के बावजूद उन्होंने वो कर दिखाया जो अब तक कोई पैरा एथलीट नहीं कर सका था। शीतल को सऊदी अरब के जेद्दाह में होने वाले एशिया कप स्टेज-3 के लिए भारतीय एबल-बॉडीड जूनियर टीम में जगह मिली है। यह पहली बार है जब किसी पैरा खिलाड़ी को सामान्य खिलाड़ियों की टीम में शामिल किया गया है।

शीतल ने इस उपलब्धि के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, ह्लजब मैंने खेलना शुरू किया था, तब मेरा एक छोटा-सा सपना था कि एक दिन मैं सामान्य खिलाड़ियों के साथ खेल सकूं। शुरूआत में मैं असफल रही, लेकिन हर गलती से कुछ नया सीखा। आज मेरा वह सपना एक कदम और करीब आ गया है। गौरतलब है कि शीतल देवी ने 2024 पेरिस पैरालंपिक में मिक्स्ड टीम कंपाउंड इवेंट में कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया था। मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए काफी संघर्ष किया है। शीतल तुर्की की पैरा चैंपियन ओजनुर क्योर गिर्डी से प्रेरित हैं, जो खुद भी सामान्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती हैं। बता दें कि हरियाणा के सोनीपत में आयोजित राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में शीतल ने 60 से अधिक सामान्य खिलाड़ियों के साथ समान परिस्थितियों में मुकाबला किया और शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने क्वालीफिकेशन राउंड में कुल 703 अंक बनाए – पहले राउंड में 352 और दूसरे में 351। शीर्ष पर महाराष्ट्र की तेजल सालवे रहीं, जबकि वैदेही जाधव दूसरे स्थान पर रहीं।अंतिम रैंकिंग में तेजल को 15.75 अंक, वैदेही को 15 अंक और शीतल को 11.75 अंक मिले। शीतल ने चौथे स्थान पर रही महाराष्ट्र की ज्ञानेश्वरी गदाधे को मामूली अंतर यानी 0.25 अंक से पीछे छोड़ा है।

शीतल देवी श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, कटरा में प्रशिक्षण लेती हैं और इस साल की शुरूआत में वे दुनिया की पहली महिला बनीं जिन्होंने बिना हाथों के पैरा आर्चरी विश्व खिताब जीता है। उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और लगन ने भारतीय खेल जगत में एक नई प्रेरणा स्थापित की है। गौरतलब है कि भारतीय टीम में कंपाउंड वर्ग में पुरुष खिलाड़ियों में प्रद्युम्न यादव, वासु यादव और देवांश सिंह (सभी राजस्थान) को जगह मिली है, जबकि महिला वर्ग में तेजल सालवे, वैदेही जाधव (दोनों महाराष्ट्र) और शीतल देवी (जम्मू-कश्मीर) शामिल की गई हैं।

नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल में 14 वर्षीय बच्चे का रक्त कैंसर बोन मैरो का दुर्लभ ट्रांसप्लांट किया

मुंबई। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस के अवसर पर नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल ने साहस, विश्वास और उन्नत चिकित्सा क्षमता का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए रक्त कैंसर के एक दुर्लभ और तेजी से बढ़ने वाले प्रकार को बोन मैरो ट्रांसप्लांट की जटिल प्रक्रिया के माध्यम से हराया।बालक हर्ष के मिक्स्ड फेनोटाइपिक ल्यूकेमिया का निदान हुआ, जो बचपन के ल्यूकेमिया के 10% से भी कम मामलों में देखा जाता है। इसका निदान कठिन माना जाता है और सामान्य कीमोथेरेपी पर इसका असर सीमित रहता है।नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मुंबई में डॉ. चिंतन व्यास के नेतृत्व में पीडियाट्रिक हेमैटो-ऑन्कोलॉजी और बीएमटी टीम ने विस्तृत मूल्यांकन के बाद यह निर्णय लिया कि बोन मैरो ट्रांसप्लांट ही उसके उपचार का एकमात्र विकल्प है। परिवार में पूर्ण मैचिंग डोनर उपलब्ध न होने पर टीम ने हैपलो आइडेंटिकल 50% मैच ट्रांसप्लांट किया, जो एक उच्च-विशेषज्ञता और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है, लेकिन आधुनिक बाल प्रत्यारोपण चिकित्सा में प्रगति का महत्वपूर्ण उदाहरण भी है।इस मामले पर बोलते हुए डॉ. व्यास ने कहा, हर्ष जैसा मामला निदान, प्रत्यारोपण और रिकवरी तक बाल कैंसर उपचार के हर चरण की परीक्षा लेता है। मिक्स्ड फीनोटाइपिक ल्यूकेमिया जैसे कैंसर दुर्लभ और उपचार-प्रतिरोधी होते हैं, लेकिन समय पर रेफरल और उन्नत प्रत्यारोपण तकनीकें इन्हें भी पूरी तरह ठीक करने का मार्ग प्रदान करती हैं। इलाज के दौरान हर्ष को बीके वायरस संक्रमण सहित कई जटिलताओं का सामना करना पड़ा, जिसने उसके मूत्राशय की कार्यक्षमता को प्रभावित करने का जोखिम पैदा कर दिया था। लेकिन विशेषज्ञ टीम की निगरानी और सतत चिकित्सा समर्थन से हर्ष ने पूर्ण रूप से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।आज वह कैंसर-मुक्त है, स्कूल लौट चुका है और एक स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जी रहा है। इस अवसर पर डॉ. जुबिन परेरा, फैसिलिटी डायरेक्टर, नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल ने कहा, हर्ष की रिकवरी केवल एक चिकित्सा सफलता नहीं है, बल्कि समान स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता का प्रतीक भी है। यह हमारे उस संकल्प को मजबूत करती है जिसके तहत हम हर बच्चे तक विश्वस्तरीय पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी और प्रत्यारोपण सेवाएँ पहुंचाना चाहते हैं।नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल देश के उन चुनिंदा बाल चिकित्सा केंद्रों में से एक है, जहाँ उन्नत बाल कैंसर उपचार और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सुविधाएँ एक ही स्थान पर प्रदान की जाती हैं।राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पर हर्ष की यह कहानी आशा और जागरूकता दोनों का संदेश देती है।

उप्रः पुलिस के साथ मुठभेड़ में इनामी बदमाश मारा गया

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के रौनापार क्षेत्र में उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और आजमगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम से हुई मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी एक बदमाश मारा गया। उसके तीन साथी मौके का फायदा उठाकर भाग गये। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि सिधारी थाना क्षेत्र में हुई लूट की एक घटना के सुराग जुटाने में लगी पुलिस को एसटीएफ से सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश रौनापार की ओर भाग रहे हैं। सूचना पर एसटीएफ लखनऊ की टीम और आजमगढ़ के सिधारी थाने की पुलिस ने जोकहरा पुल के पास घेराबंदी की। उन्होंने दावा किया कि पुलिस को देखकर बदमाशों ने उस पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलायी जिसकी चपेट में आने से एक बदमाश घायल हो गया। उसके तीन अन्य साथी मौके से भाग निकले। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया जहां से हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल रेफर किया गया। चिकित्सकों की टीम ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सिंह ने बताया कि मृत बदमाश की पहचान वाकिब उर्फ वाकिफ (27 वर्ष) के रूप में हुई है। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। उसके खिलाफ आजमगढ़, जौनपुर, कुशीनगर समेत विभिन्न जिलोंमें चोरी, लूट, धोखाधड़ी, और गो-तस्करी सहित विभिन्न आरोपों में 44 मुकदमे दर्ज थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से कारतूस, खोखे और अन्य साक्ष्य बरामद किए हैं।